

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 55 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

योगी आदित्यनाथ ने मथुरा में घोषणा की कि उत्तर प्रदेश अब दंगों और कर्फ्यू से पूरी तरह मुक्त है, त्योहार राज्य की बनी नई पहचान

योगी आदित्यनाथ ने मथुरा में घोषणा की कि उत्तर प्रदेश अब दंगों और कर्फ्यू से पूरी तरह मुक्त है, जहाँ त्योहार राज्य की नई पहचान बन गए हैं। उन्होंने पिछले साढ़े नौ वर्षों में कानून व्यवस्था में आए भारी सुधार को उजागर किया, जो विशाल धार्मिक आयोजनों जैसे कांवड़ यात्रा के सुचारु संचालन से स्पष्ट होता है, जो राज्य में वास्तविक परिवर्तन का संकेत है।

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मथुरा दौरे के दौरान एक कड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य अब दंगों और कर्फ्यू के दौर से आगे निकल चुका है और एक ऐसी जगह के तौर पर उभरा है जहाँ त्योहार अब इसकी पहचान बन रहे हैं। मथुरा में 1,051 करोड़ रुपये की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए



मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास को सिर्फ बिजली और पानी के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में विकास के नाम पर भारत की सांस्कृतिक विरासत की अनदेखी और अपमान करने की कोशिशें भी की गई थीं। भारत की सांस्कृतिक विरासत के बारे में बात करते हुए सीएम योगी ने कहा कि विदेशी हमलावरों ने बार-बार देश की विरासत को नष्ट करने की कोशिश की, जबकि अंग्रेजों

ने इन कोशिशों को और आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि किसी राज्य या देश की पहचान उसकी यादों, संस्कृति और जड़ों से होती है, और भारत की विरासत को समझने के लिए उसके इतिहास की गहरी समझ जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम अपनी विरासत की बात करते हैं, तो इतिहास को समझना जरूरी है। भारत का इतिहास सनातन की निरंतरता का इतिहास है।" सीएम योगी ने आगे कहा कि सदियों से भारत ने कई विदेशी आक्रमणों का सामना किया, लेकिन उनमें से कोई भी देश की सामूहिक स्मृति, परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान को मिटा नहीं सका। उन्होंने कहा, "यही सनातन की ताकत और ब्रज की पहचान है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं की मजबूती का जिक्र करते हुए काशी और अयोध्या का उदाहरण दिया। काशी के बारे में बात करते हुए योगी ने कहा कि औरंगजेब के शासनकाल में मंदिर को तोड़ा गया था, लेकिन उससे जुड़ी परंपरा कभी खत्म नहीं हुई। उन्होंने विरासत को प्छि से जीवित करने के उदाहरण के तौर पर आज के काशी विधनाध्यक्ष धाम का जिक्र किया।

रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने कोलकाता के नगर निगम चुनावों में उतरने का किया फैसला

कोलकाता। विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस (TMC) के बागी गुट ने कोलकाता नगर निगम चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने सभी 209 वार्डों में उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है और अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए इस हफ्ते के आखिर में वरिष्ठ नेताओं की बैठक बुलाई है। यह कदम TMC के अंदर संगठन को लेकर चल रही बढ़ती खींचतान के बीच उठाया गया है। विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद से ही पार्टी ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले कालीघाट खेमे और रिताब्रता के नेतृत्व वाले बागी गुट के बीच बंटी हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, विधानसभा में बोलते हुए रिताब्रता ने कहा कि कोलकाता नगर निकाय के प्रस्तावित परिसीमन के बाद उनका गुट सभी 209 वार्डों में चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि परिसीमन के बाद 209 वार्ड होंगे और हमारे उम्मीदवार हर वार्ड में BJP के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।



उम्मीदवारों की सूची तैयार करने को कहा है। यह गुट वार्डों के नए सीमांकन (डिलिमिटेशन) पर होने वाली जन-सुनवाईयों की भी तैयारी कर रहा है, जो 5 सितंबर से शुरू होने वाली हैं। पार्टी प्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन सुनवाईयों में जरूरी दस्तावेज, नक्शे और वार्डों के प्रस्तावित पुनर्गठन पर अपनी खास आपत्तियों के साथ शामिल हों।

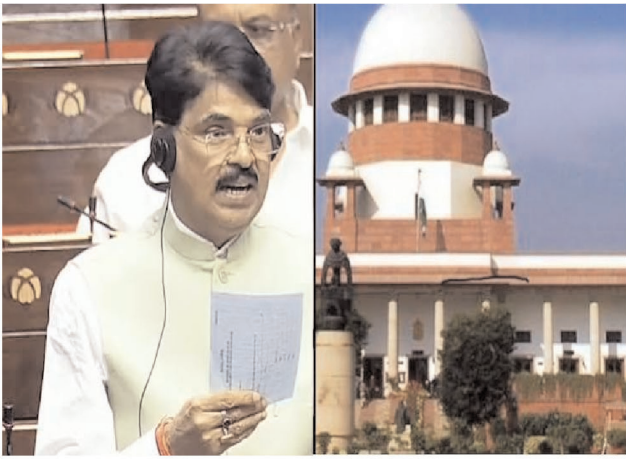
उन्होंने आगे कहा कि उनका गुट हावड़ा समेत अन्य नगर पालिकाओं के सभी वार्डों में भी चुनाव लड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव की रणनीति पर वरिष्ठ नेताओं और चुनाव से जुड़ी जिम्मेदारियां संभालने वालों की बैठक में इस सप्ताह के आखिर में सामूहिक फैसला लिया जाएगा।

उम्मीदवारों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। गुट ने अपने उत्तरी और दक्षिणी कोलकाता जिला अध्यक्षों से प्रस्तावित वार्डों के लिए संभावित

सीमांकन पर हुई सर्वदलीय बैठक में, बागी खेमे से विधानसभा में TMC के उप-नेता संदीपान साहा ने पहले ही गुट की आपत्तियां जाहिर कर दी थीं। सीमांकन की अधिसूचना ने कोलकाता और हावड़ा नगर निकायों के चुनावों का रास्ता साफ कर दिया है। BJP ने अपनी चुनाव समिति बना ली है और तैयारियां शुरू कर दी हैं, जबकि रिताब्रता गुट यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि उसके पास ऐसा संगठनात्मक ढांचा है जो BJP और विरोधी TMC खेमे, दोनों का मुकाबला करने में सक्षम है।

SC की BCI अध्यक्ष मनन मिश्रा के कार्यकाल को बताया केवल 'Pro-Tem' व्यवस्था

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) के कामकाज पर कड़ी निगरानी व्यवस्था लागू की। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जब तक नए चुनाव के जरिए इसका पुनर्गठन नहीं हो जाता, तब तक वकीलों की इस शीर्ष संस्था द्वारा लिए जाने वाले हर नीतिगत फैसले में भारत के अटॉर्नी जनरल (AG) और सॉलिसिटर जनरल (स्न) को "सक्रिय रूप से शामिल" किया जाना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्य कांत और जस्टिस जयमाल्य बागवी और वी. मोहना की बेंच ने साफ किया कि BCI चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा का पद पर बने रहना 2030 तक की व्यवस्था नहीं माना जा सकता। बेंच ने कहा कि पहली नज़र में, उनका पद केवल "प्रो टेम" (अस्थायी) है, जो तब तक रहेगा जब तक कि नई बनी BCI अपने पदाधिकारी नहीं चुन लेती। कोर्ट का दखल तब हुआ जब राज्य बार काउंसिल के चुनावों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी। इन याचिकाओं में BCI चेयरमैन के तौर पर मिश्रा के बने रहने और चेयरमैन व वाइस-चेयरमैन का कार्यकाल 2030 तक बढ़ाने वाले नोटिफिकेशन की वैधता को चुनौती दी गई थी।



आखिरकार इस बेंच के खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी। इसके बाद मिश्रा ने छात्रों से माफ़ी मांगी कि उनकी बातों या काउंसिल के कामों से उन्हें कोई दुख पहुंचा हो। बुधवार को, पीठ ने कहा कि उसकी तत्काल चिंता किसी व्यक्ति का आचरण नहीं बल्कि बीसीआई की संस्थागत कार्यप्रणाली और अदालत के निर्देशों के अनुसार राज्य बार काउंसिल के चुनाव के बाद वैधानिक चुनावी योजना को बहाल करने की आवश्यकता है। अदालत के समक्ष विवाद 2025 में जारी बीसीआई अधिसूचनाओं पर केंद्रित था, जिसमें मिश्रा और उपाध्यक्ष एस प्रभाकरन को पांच साल का कार्यकाल देने की बात कही गई थी, इस दलील के बावजूद कि बीसीआई नियमों के नियम 12(2) में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए दो साल का कार्यकाल निर्धारित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान ने पीठ को बताया कि मिश्रा को 2 मार्च, 2025 को सर्वसम्मति से 17 अप्रैल, 2025 से शुरू होने वाले और 16 अप्रैल, 2030 को समाप्त होने वाले कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुना गया था। उन्होंने बताया कि 9 जनवरी, 2025 के एक प्रस्ताव में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के कार्यकाल को तीन साल से बढ़ाकर पांच साल करने की बात कही गई थी, जबकि नियम केवल दो साल निर्धारित करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश क्यों अहम है?

बेंच के निर्देश इसलिए अहम हैं क्योंकि कुछ दिन पहले ही उसने NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ़ लॉ के 2026 बेंच के ग्रेजुएशन सेरेमनी में CJI को बुलाने के विरोध को लेकर BCI के दखल की आलोचना की थी। BCI चेयरमैन मिश्रा ने पहले राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया था कि वे इन छात्रों का एनरोलमेंट न करें क्योंकि उन्होंने दीक्षा समारोह में CJI को बुलाने का विरोध किया था। बाद में उन्होंने यह रोक हटा ली और

दिशा सालियन केस- मुंबई में फणनवीस ने कहा मुंबई पुलिस ने अपनी जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी

हाई कोर्ट के सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियन की मौत का मामला सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (CBI) को सौंपने के फैसले के बाद, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा कि भले ही पुलिस ने अपनी जांच पूरी कर ली थी, लेकिन कोर्ट को लगा कि और जांच की जरूरत है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए फणनवीस ने कहा मुंबई पुलिस ने अपनी जांच पूरी कर ली थी और अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। हालांकि, हाई कोर्ट को लगा कि कुछ और जांच की जरूरत है और शायद कुछ 'तकनीकी' चीज खूट गई है। इसलिए, उन्होंने अब यह मामला CBI को सौंप दिया है। मैं और वया कह सकता हूँ?" यह मामला विवगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन की मौत से जुड़ा है, जिनकी जून 2020 में मौत हो गई थी।



महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन सचिन अहीर ने इस बात पर जोर दिया कि न्यायिक प्रक्रिया राजनीतिक प्रभाव से मुक्त है और राज्य सरकार कोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन करेगी। अहीर ने कहा, "हाई कोर्ट ने आदेश दिया है और इसमें कोई दखलंदाजी नहीं हुई है। पुलिस ने अपनी जांच पूरी कर ली है और रिपोर्ट सौंप दी है। अब यह देखना बाकी है कि किन आधारों पर कोर्ट ने मामले को CBI को सौंपने का निर्देश दिया है।" उन्होंने इस कदम के पीछे राजनीतिक बदले की भावना के आरोपों को भी खारिज कर दिया। अहीर ने आगे कहा, "मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार कोर्ट के आदेश का पूरी तरह पालन करेगी और

उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला हाई कोर्ट ने लिया है, इसलिए इसे राजनीतिक नहीं कहा जा सकता। न तो पहले और न ही अब, किसी भी तरह का कोई दखल हुआ है।" ये बयान बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा बुधवार को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (CBI) को FIR दर्ज करने और मामले की गहन जांच करने का आदेश दिए जाने के बाद आया है। मुंबई के बांद्रा में अपने फ्लैट में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के मृत पाए जाने से कुछ दिन पहले, 8 जून 2020 को दिशा मृत पाई गई थी। उनके पिता और याचिकाकर्ता सतीश सालियन की ओर से पेश वकील नीलेश ओझा ने भरोसा जताया कि इस मामले में न्याय होगा।

उन्होंने कहा, "कोर्ट ने CBI को सतीश सालियन का बयान दर्ज करने, FIR दर्ज करने, जांच के लिए एक सीनियर अफ़सर नियुक्त करने और मौलवानी पुलिस स्टेशन को सभी रिकॉर्ड CBI को सौंपने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, जिसके खिलाफ भी सबूत मिलेंगे, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अगर किसी के खिलाफ सबूत नहीं होंगे, तो उन्हें आरोपी नहीं बनाया जाएगा।

कोंडा सुरेखा ने सीएम रेवंत रेड्डी को बांधी राखी, 3 सितंबर को कैबिनेट से हटाने का किया फैसला

तेलंगाना। वन एवं बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी की मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कांग्रेस के कुछ नेताओं पर की गई कथित टिप्पणियों के बाद विवाद बढ़ गया था. उनके बयान पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के कई विधायकों और नेताओं ने नाराजगी जताई थी. मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति ने पार्टी नेतृत्व से सुरेखा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की. इसके बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटाने का फैसला किया. इस फैसले के साथ ही तेलंगाना कांग्रेस में अंदरूनी विवाद और तेज हो गया है. कुछ दिन पहले (28 अगस्त) रक्षाबंधन का त्योहार था. इस दिन कोंडा सुरेखा ने एक वीडियो और कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थी. वीडियो शेयर करते हुए सुरेखा ने लिखा- राखी पूर्णिमा के मौके पर मंत्री सीताक्का के साथ मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मिलने उनके आवास पहुंची. मुख्यमंत्री को राखी बांधी और उन्हें शुभकामनाएं दीं.



कोंडा सुरेखा की बेटी सुष्मिता से शुरू हुआ विवाद-परकल में एक जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने लोगों से मौजूदा विधायक रेवुरी प्रकाश रेड्डी को पिछली बार से ज्यादा वोटों से जिताने की अपील की थी. इसके बाद कोंडा सुरेखा की बेटी सुष्मिता ने मुख्यमंत्री के इस समर्थन पर सवाल उठाया. उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री परकल में विधायक के समर्थन में क्यों खड़े हो रहे हैं. सुष्मिता खुद भी अगले विधानसभा चुनाव में परकल सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुकी हैं.

गुस्ताखी माफ़

तुम उन्हें 'कौरव' साबित करने की जुगत ही करते रह गए, और वो 'पांडव' बनकर खेला कर गए!

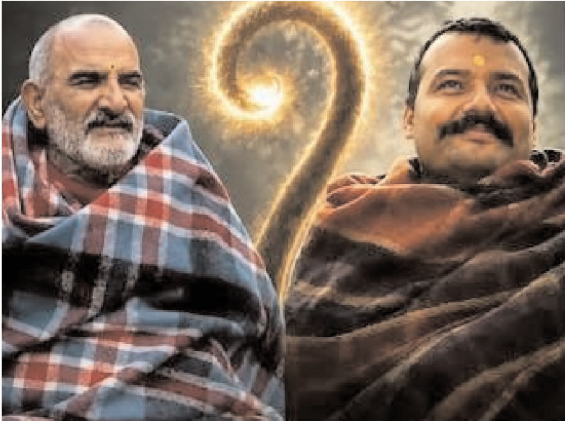


पश्चिम बंगाल चुनाव के परिणाम शायद कुछ लोगों के लिए चौंकाने वाले हों, लेकिन सत्ता की नब्ज समझने वालों के लिए यह अप्रत्याशित नहीं थे। इस बार भाजपा का पलड़ा भारी दिख ही रहा था, पर जिस बात ने सबको हैरत में डाला, वह थी तृणमूल कांग्रेस की ऐसी ढलान भाजपा ने इस चुनाव में अपनी पूरी 'मशीनरी' झोंक दी थी। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, विदेश मंत्री से लेकर मुख्यमंत्रियों की फौज ने बंगाल की गलियों में ऐसा समां बांधा कि टीएमसी की दशकों पुरानी चमक फीकी पड़ने लगी। दिल्ली के दिग्गजों की इस घेराबंदी ने ममता के दुर्ग की ईंटें हिलाकर रख दी थीं। तमाम झंझावातों के बावजूद, ममता बनर्जी की दाद देनी पड़ेगी। वह एक 'घायल शेरनी' की तरह आखिरी सांस तक मोर्चे पर डटी रही . उनके सामने चुनौतियां पहाड़ जैसी थीं : सालों की सत्ता के खिलाफ उपजा जन-आक्रोश। भाजपा ने 'भ्रष्टाचार में डूबी पार्टी' की जो छवि बुनी, उसने जनता के मन में गहरे तक पैठ बनाई। अल्पसंख्यकों के प्रति सॉफ्ट कॉर्नर वाली छवि ने हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण को वह हवा दी, जिसे रोक पाना ममता की टीम के लिए नामुमकिन हो गया। भाजपा इतने बहुमत के साथ उभरी है कि ममता का नगाड़ा, अब तूती की तरह लगेगा . अब गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यही है—मुख्यमंत्री कौन? बीजेपी में मंथन और माथापट्टी का दौर शुरू हो चुका है। रेस में कई धुरंधर हैं : सुवेंदु अधिकारी : जिन्होंने सीधे तौर पर चुनौती दी। दिलीप घोष : पार्टी के जमीन से जुड़े सिपाही। डॉ. सुकांत मजूमदार : युवा और बौद्धिक चेहरा। लेकिन याद रहे, भाजपा हमेशा 'सरप्राइज' देने के लिए जानी जाती है। अगर ममता बनर्जी के 'महिला कार्ड' का काट ढूँढना हो, तो लॉकेंट चटर्जी की लॉटरी लग जाए, तो अचरज नहीं होना चाहिए।

इंजी. मधुर चितलांग्या संपादक , दैनिक पूरब टाइम्स

करोली बाबा के जीवन व शिक्षाओं से प्रेरित 'हनुमान अंश', 11 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी फिल्म

मुंबई। आध्यात्मिक गुरु नीम करोली बाबा के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित हिंदी फिल्म हनुमान अंश को 11 सितंबर को दुनिया भर में प्रदर्शित किया जाएगा। प्रोडक्शन बैनर होम्बले फिल्मस ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। होम्बले फिल्मस प्रोडक्शन बैनर ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर घोषणा की कि वह अपनी अंतरराष्ट्रीय वितरण इकाई होम्बले ओवरसीज के माध्यम से इस फिल्म को विदेशों में प्रदर्शित करेगा। नईभाषाएं सीखें



होम्बले फिल्मस को केजीएफ और कांतारा जैसी ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी फिल्मों के समर्थन के लिए जाना जाता है। प्रोडक्शन हाउस ने अपनी पोस्ट में कहा, "आस्था में रची-बसी एक कहानी। सीमाओं से परे एक यात्रा।

हमें गर्व है कि हम होम्बले ओवरसीज के माध्यम से फिल्म 'हनुमान अंश' को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचा रहे हैं।" उन्होंने कहा, "महाराज जी की आध्यात्मिक यात्रा अब पूरी दुनिया तक पहुंचेगी, क्योंकि 'हनुमान अंश' 11 सितंबर 2026 को दुनियाभर में रिलीज हो रही है।" विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित हनुमान अंश की कहानी डॉ. राम भोसले के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी हैं, जिनकी भूमिगत क्रांतिकारी से योगी बनने तक की यात्रा नीम करोली बाबा के मार्गदर्शन में आगे बढ़ती है। नीम

करोली बाबा को भक्त महाराज जी भी कहते हैं। महाराज जी के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित यह फिल्म आस्था, सेवा और आंतरिक परिवर्तन जैसे विषयों को दर्शाती है। सात अगस्त को भारतीय सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत धीमी रही। पहले दो हफ्तों में फिल्म ने बेहद कम कमाई दर्ज की, लेकिन बाद में दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और मौखिक प्रचार के चलते इसकी रफ्तार बढ़ने लगी। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें फिल्म ने इसके बाद रफ्तार पकड़ ली है। ट्रेड वेबसाइट सैकनलिक के अनुसार, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक 72.97 करोड़ रुपये की सकल कमाई और 61.88 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई दर्ज की है।

अपन तो कहेंगे पूरब टाइम्स



अपन तो कहेंगे : जनता पहले के 60 सालों का हिसाब चेक कर रही है. अभी के 11 साल का ऑडिट नहीं

सिटी सक्षिप्त समाचार

बारिश के मौसम में हर बूंद की सुरक्षा, धमतरी में पेयजल गुणवत्ता की चौकस निगरानी

स्रोत से घर तक सुरक्षित पेयजल की निगरानी, क्लोरीनेशन से लेकर प्रयोगशाला जांच तक बहुस्तरीय व्यवस्था धमतरी। बारिश की बूंदें जहां खेतों के लिए नई उम्मीद लेकर आती हैं, वहीं मानसून के दौरान पेयजल स्रोतों की सुरक्षा भी एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। वर्षा और जलभराव के कारण पेयजल स्रोतों के दूषित होने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे समय में ग्रामीण परिवारों तक पहुंचने वाला पानी केवल पर्याप्त ही नहीं, बल्कि स्वच्छ और सुरक्षित भी हो—इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए धमतरी जिले में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा मानसून अधि में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पेयजल स्रोतों की नियमित निगरानी, आवश्यकतानुसार क्लोरीनेशन, जल टैंकों की साफ-सफाई, ग्राम स्तर पर जल परीक्षण तथा प्रयोगशालाओं में घरेलू जल नमूनों की जांच की जा रही है। यानी जल स्रोत से लेकर ग्रामीण परिवार के घर तक पहुंचने वाले पानी की गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है।

अबुझमाड़ की नई सुबह: जब जंगलों की छांव से निकलकर स्वावलंबन की मिसाल बनी महिलाएं

रायपुर। बस्तर के सुदूर और दुर्गम अबुझमाड़ के जंगलों से अब बदलाव की एक नई बहार बह रही है। कभी नवसल के साए और सिर्फ घरेलू चौखट तक सीमित रहने वाली नारायणपुर तथा ओरछा विकासखण्ड की ग्रामीण महिलाएं अब अपने होसले और कड़ी मेहनत से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। वन विभाग की एक दूरदर्शी पहल ने इन महिलाओं के सपनों को न सिर्फ़ पंख दिए हैं, बल्कि चक्रिय निधि के माध्यम से उन्हें वित्तीय संतुल देकर सफल उद्यमी के रूप में उभारने का काम किया है।

आजीविका गतिविधियों से जुड़कर अपने पैरों पर खड़ी महिलाएं वर्ष 2026-27 में शासन की मंशानुरूप क्षेत्र के 10 महिला स्व-सहायता समूहों को 37 लाख रुपये की चक्रिय निधि से ऋण उपलब्ध कराया गया। इस आर्थिक मदद ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक नई जान फूंक दी। जय बिहान, जगदम्बा, मां लक्ष्मी, मां शीतला, मां दत्तेश्वरी, मां दुर्गा, मां सरस्वती, मां अम्बे और जय वाला कार्यों जैसे समूहों से जुड़ी दीदियां आज विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर अपने पैरों पर खड़ी हैं। कोई जंगलों से इमली और माहुल पत्ता चुनकर दोना-पत्तल बना रही है, तो कोई कच्चे फूलझाड़ू का प्रसंस्करण कर बाजार तक पहुंचा रही है। गुह उद्योग के तहत मसाला निर्माण, बेकरी, कैंटीन और किराना स्टोर के सफल संचालन से इन महिलाओं ने साबित कर दिया है कि अवसर मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में कमाल कर सकती हैं।



स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों पर बच्चों एवं आमजन को बताए बाल अधिकार और सुरक्षा के उपाय रायपुर। छत्तीसगढ़ में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, बाल अपराधों की रोकथाम और संकट की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य बाल संरक्षण समिति के निर्देशन में प्रदेशभर में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में रायपुर, बालोद और बेमेतरा की टीमों द्वारा स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों, किशोर-किशोरियों, शिक्षकों, अभिभावकों और आम नागरिकों को बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई।

रायपुर जिले में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, भाटागांव द्वारा स्काउट गाइड, बेमेतरा की टीम, बालिकाओं के समूह, धूम्रपान करते पाए गए बालकों तथा आने-जाने वाले यात्रियों को बाल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान किशोर न्याय

(बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 एवं आदर्श नियम 2016, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (च्छेद) 2012 एवं नियम 2020, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, दत्तक ग्रहण विनियम 2022 सहित मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री बाल उदय योजना, बाल सक्षम नीति और बाल संरक्षण नीति की जानकारी दी गई।

जागरूकता कार्यक्रम में बाल हिंसा, शोषण, ट्रैफिकिंग, बाल श्रम, बाल तस्करी और साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी लोगों को सजग किया गया। साथ ही ‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ अभियान तथा संकट की स्थिति में उपलब्ध सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। किसी भी बच्चे के संकट में होने या बाल अधिकारों के उल्लंघन



की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098,

महिलाओं के लिए 181 तथा आपातकालीन पुलिस सहायता के लिए 112 पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गई।

रायपुर जिले में 13 अगस्त को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुडमुड़ी (तिल्दा) और शासकीय हाई स्कूल छत्तीद (तिल्दा) में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

धमतरी में भारी बारिश से उप्रान पर नदियां

गंगरेल बांध के खुले 3 गेट, महानदी तटीय गांवों में अलर्ट जारी रायपुर। धमतरी जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित होने लगा है, वहीं क्षेत्र के सभी प्रमुख जलाशय अब पूरी तरह लबालब हो चुके हैं। कैचमेंट एरिया से हो रही पानी की भारी आवक को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर गंगरेल बांध (रविशंकर सागर जलाशय) के तीन गेट खोल दिए गए हैं, जिनसे कुल 4,670 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें से 3,360 क्यूसेक पानी सीधे महानदी में बह रहा है, जबकि 1,410 क्यूसेक पानी रुढ़ी बैराज के रास्ते मुख्य नहर में प्रवाहित किया जा रहा है। मौसम विभाग द्वारा आगे भी बारिश की संभावना जताए जाने से महानदी का



जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका है, जिसे देखते हुए कलेक्टर ने तटीय और निचले इलाकों में स्थित गांवों के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

वर्तमान में जिले के जलाशयों की स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है। मुरुमसिल्ली जलाशय अपनी क्षमता का 98.61 प्रतिशत भर चुका है और उसमें 362 क्यूसेक पानी की आवक बनी हुई

जल संरक्षण मे बलौदाबाजार -भाटापारा जिले की

ऐतिहासिक उपलब्धि, देश के शीर्ष 10 जिलों में बनाया स्थान

2 लाख 46 हजार वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण

जनभागीदारी बना जल संरक्षण का प्रभावी मॉडल

रायपुर। वर्षा जल को सहेजने और उसे धरती के भीतर पहुंचाकर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बलौदाबाजार – भाटापारा ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जल शक्ति मंत्रालय के ‘जल संघय जन भागीदारी’ अभियान के तीसरे चरण में जिला ने देश के शीर्ष 10 जिलों में स्थान बनाकर जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए किए जा रहे नवाचारों, सामुदायिक सहभागिता और जनभागीदारी आधारित प्रयासों की जानकारी राष्ट्रीय मंच पर साझा की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में जल संरक्षण को केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रखते हुए इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा फ़मोर गांव-मोर पानी अभियान 3.0" के अंतर्गत ग्राम पंचायतों, महिला समूहों, युवाओं, ग्रामीण समुदाय एवं विभिन्न विभागों की सहभागिता से जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर क्रियान्वित किया गया है। जिले

में 2,46,488 वर्षा

संचयन संरचनाओं का

निर्माण, लगभग

5,146.30 लाख लीटर

जल संचयन क्षमता तथा

10,78,911 लोगों की

प्रत्यक्ष भागीदारी दर्ज की

गई है। अभियान का

विस्तार 736 गांवों, 519

ग्राम पंचायतों और 9

नगरीय क्षेत्रों तक किया

गया है। इस अभियान के

तीसरे चरण मे जिला

बलौदाबाजार –भाटापारा

देश मे 8 वे स्थान पर हैं।

जिले में प्रधानमंत्री आवासों

में रेन वाटर हार्वेस्टिंग,

डबरी एवं चेकडैम निर्माण,

खेत एवं सामुदायिक जल

संरचनाएं, नाला उपचार, गैबियन संरचनाएं तथा अन्य

भू-जल रिचार्ज गतिविधियों को प्राथमिकता दी गई

है। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवासों के साथ रूप

वाटर हार्वेस्टिंग को जोड़कर जल संरक्षण को प्रत्येक

परिवार तक पहुंचाना का प्रयास किया गया है। जिला

प्रशासन की रणनीति का महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा है

कि जल संरक्षण को फ़हर घर पानी घर में, मोहल्ले का

पानी मोहल्ले में, खेत का पानी खेत में और गांव का

पानी गांव मेंफ़ की अवधारणा से जोड़ा गया। जन-

जागरूकता के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जल

चौपाल, रैलियां, रंगोली, दीप प्रज्वलन, महिला समूहों

में 671 बच्चों और 16

शिक्षकों ने सहभागिता

की। विद्यार्थियों को बाल

हिंतेषी सिद्धांतों, बाल

अधिकारों, पॉक्सो

अधिनियम, किशोर न्याय

अधिनियम, बाल विवाह

प्रतिषेध अधिनियम,

साइबर क्राइम तथा गुड

टच-बैड टच सहित विभिन्न

विषयों की जानकारी दी

गई। इस दौरान छत्तीद के

आंगनबाड़ी केंद्र क़रमांक-03 का भी निरीक्षण कर

बच्चों, शिशुवृत्ती माताओं,

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को

विभागीय योजनाओं और चाइल्ड हेल्पलाइन

1098 के संबंध में जागरूक किया गया।

इसी क्रम में बालोद जिले के विकासखंड

बालोद अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक

विद्यालय कोंधाटोला में जिला बाल संरक्षण

इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 द्वारा

जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

गया। विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम

2012, किशोर न्याय अधिनियम 2015,

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, गुड

टच-बैड टच, साइबर क्राइम और बाल

अधिकारों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में

113 बालक-बालिकाओं सहित विद्यालय के

प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने

सहभागिता की। बच्चों को किसी भी प्रकार

के शोषण, हिंसा अथवा संकट की स्थिति में

सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई

गई। बाल संरक्षण से जुड़ी इन गतिविधियों के

माध्यम से बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति

जागरूक करने के साथ-साथ समाज में

बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, हिंसा,

शोषण और साइबर अपराध के विरुद्ध

सजगता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है

कि वे बच्चों के प्रति संवेदनशील रहें और

किसी भी प्रकार की हिंसा, शोषण या संकट

की स्थिति में तत्काल संबंधित सहायता

सेवाओं से संपर्क कर बच्चों की सुरक्षा

सुनिश्चित करने में सहभागी बनें।

‘डीईओ ने समस्त प्राचार्य एवं संकुल समन्वयकों ली समीक्षा बैठक’

बलौदाबाजार। जिला शिक्षा अधिकारी के.एस.मेरावी एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा नरेंद्र वर्मा ने विकासखण्ड बलौदाबाजार के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा, समस्त शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के प्राचार्यों एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों का पण्डित लक्ष्मी प्रसाद तिवारी शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी विद्यालय बलौदाबाजार में शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अंतर्गत संचालित विभिन्न एजेन्डाओं पर समीक्षा बैठक लिया गया। प्रमुख रूप से प्रशस्त एप, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय, एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पेड़ लगाने की समीक्षा, नशा मुक्त विद्यालय की जानकारी, एमबीयू वैलिडेशन जानकारी, अपार आई डी की जानकारी, बालवाड़ी की जानकारी, आईसीटी योजना की जानकारी, यूडाइस की जानकारी, विद्यार्थियों की जीपी में एन्ट्री की जानकारी, शिक्षकों की प्रोफईल एन्ट्री, स्कूल प्रोफईल एन्ट्री, ड्राप बाक्स मेंबच्चों को इम्पोर्ट करना संबंधी सभी प्राचार्यों एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों से जानकारी प्राप्त की गई।



की गतिविधियां और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनचेतना विकसित हुई। राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान जिले में प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों और आम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। देश के शीर्ष 10 जिलों में बलौदाबाजार-भाटापारा का शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय संसाधनों, नवाचार और जनभागीदारी के समन्वय से जल सुरक्षा के क्षेत्र में प्रभावी एवं अनुकरणीय मॉडल विकसित किया जा सकता है।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का दंतेवाड़ा दौरा

–प्रार्थना सभा में हुए शामिल –बच्चों से सीधा संवाद कर परखी पढ़ाई और व्यवस्थाएं दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेंद्र यादव ने दंतेवाड़ा जिले के सुदूर अंचलों में शैक्षणिक और आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए विभिन्न विद्यालयों का सघन निरीक्षण किया। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने विकासखंड कुओंकोंडा स्थित माध्यमिक शाला कलारपारा (मैलावाड़ा) और विकासखंड कटेकल्याण के नेताजी सुभाष चंद्र बोस कन्या आवासीय विद्यालय (पोटाकेबिन मोखपाल) का दौरा कर बच्चों से सीधा संवाद साधा और उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।



जिसका उत्तर विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ दिया। प्राथमिक कक्षाओं में अक्षर ज्ञान व वर्णमाला की स्थिति परखने के साथ ही उन्होंने पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए डिजिटल साधनों और प्रोजेक्टर के उपयोग पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान जब बच्चों ने कक्षा में बैठने के लिए कुर्सि-टेबल तथा जूते-मोजे की आवश्यकता बताई, तो मंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात मंत्री श्री यादव पोटाकेबिन मोखपाल पहुंचे, जहां छात्राओं ने छिंद से स्वनिर्मित आकर्षक गुलदस्ता भेंटकर उनका आत्मीय स्वागत किया। लगभग 490 छात्राओं वाले इस आवासीय विद्यालय में

करते हुए मंत्री ने जिले के सभी 14 पोटाकेबिन में इसे अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों को ताजी पौष्टिक सब्जियां मिलने के साथ बागवानी व पर्यावरण का व्यावहारिक ज्ञान भी मिल सकें। मंत्री ने कहा कि बस्तर अंचल के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक आहार, आधुनिक तकनीक और स्वच्छ परिवेश देने का जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर और डीएमसी हरीश गौतम, सहायक आयुक्त आरमन-समन्वयक राजेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



ज्ञान-विज्ञान की बातें

भारतीय वैज्ञानिकों ने समुद्र में खोजी मछली की नई प्रजाति

भारतीय समुद्री जैव विविधता के क्षेत्र में वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता मिली है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण यानी जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ZSI) के वैज्ञानिकों ने अरब सागर की गहराइयों से स्केट मछली की एक नई प्रजाति की खोज की है। इस खोज से भारत के समुद्री जीवों की विविधता को लेकर वैज्ञानिक जानकारी में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है। स्केट मछलियां शाक और रे की करीबी रिश्तेदार मानी जाती हैं और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक नई प्रजाति गहरे समुद्र में पाई गई है। समुद्र की अधिक गहराई में रहने वाले जीवों का अध्ययन आसान नहीं होता। ऐसे क्षेत्रों में कम रोशनी, अत्यधिक दबाव और मुश्किल परिस्थितियों के कारण वैज्ञानिकों को नमूने जुटाने और उनकी पहचान करने के लिए विशेष तकनीकों का इस्तेमाल करना पड़ता है।

विस्तृत अध्ययन के बाद नई प्रजाति की पुष्टि ZSI के वैज्ञानिकों ने नमूने की शारीरिक बनावट और अन्य विशेषताओं का विस्तृत अध्ययन किया। स्केट की पहचान के दौरान उसके शरीर की संरचना, पंखों, दांतों, त्वचा और अन्य विशिष्ट लक्षणों की तुलना पहले से ज्ञात प्रजातियों से की गई। वैज्ञानिक वर्गीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद इसे एक अलग प्रजाति के रूप में पहचाना गया। स्केट मछलियां Rajiformes समूह से संबंधित होती हैं। इनका शरीर आमतौर पर चपटा होता है और इनके बड़े पेटवटरल फिन शरीर के दोनों तरफ पंख जैसी अकृति बनाते हैं। कई स्केट प्रजातियां समुद्र तल के पास रहकर छोटे समुद्री जीवों को अपना भोजन बनाती हैं।

अरब सागर की जैव विविधता पर बढ़ेगी जानकारी

भारत के पश्चिमी तट से लगा अरब सागर समुद्री जैव विविधता के लिहाज से बेहद समृद्ध माना जाता है। यहां मछलियों, प्रवाल, समुद्री स्तनधारियों और कई दुर्लभ जीवों की प्रजातियां पाई जाती हैं। हालांकि गहरे समुद्र में रहने वाली प्रजातियों का अध्ययन अपेक्षाकृत कम हुआ है। नई खोज से वैज्ञानिकों को अरब सागर के गहरे पानी में मौजूद जीवों की प्रजातियों और उनके वितरण को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। ऐसी खोजें समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि किसी क्षेत्र में मौजूद प्रजातियों की सही जानकारी के बिना उनके संरक्षण की प्रभावी रणनीति तैयार करना मुश्किल होता है।

संरक्षण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण खोज

स्केट और शाक जैसे कार्टिलेज वाली मछलियों की कई प्रजातियां अत्यधिक मछली पकड़ने, समुद्री प्रदूषण और आवास में बदलाव के कारण दबाव का सामना कर रही हैं। कई बार ये मछलियां व्यावसायिक मछली पकड़ने के दौरान अजाने में जाल में फंस जाती हैं। नई प्रजातियों की पहचान होने से उनकी आबादी और संरक्षण स्थिति का अलग से अध्ययन किया जा सकता है। ZSI भारत में जीव-जंतुओं के सर्वेक्षण, पहचान और वर्गीकरण के लिए प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में शामिल है। समुद्री क्षेत्रों में की जा रही ऐसी खोजें बताती हैं कि भारत के आसपास मौजूद गहरे समुद्री क्षेत्रों में अब भी कई ऐसी प्रजातियां छिपी हो सकती हैं जिनका वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण होना बाकी है। अरब सागर से स्केट मछली की नई प्रजाति की खोज न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धि है, बल्कि इससे देश की समुद्री जैव विविधता को समझने और उसके संरक्षण के प्रयासों को भी नई जानकारी मिलेगी।

IIT कानपुर की नई खोज: डिप्रेशन के इलाज में 7-10 दिन में पता चलेगा दवा का असर



जिंदगी में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जिनकी वजह से हम लगातार तनाव में रहने लगते हैं। लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव धीरे-धीरे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है और कुछ लोगों में डिप्रेशन जैसी समस्या भी पैदा हो सकती है। ऐसे में व्यक्ति चिड़चिड़ा रहने लगता है, किसी काम में मन नहीं लगता और रोजमर्रा की जिंदगी भी मुश्किल लगने लगती है। इसलिए समय रहते सही इलाज और विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहद जरूरी है।

इसी दिशा में अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के शोधकर्ताओं ने एक नया मॉडल विकसित किया है, जो यह अनुमान लगाने में मदद कर सकता है कि डिप्रेशन के मरीज पर कौन-सी एंटीडिप्रेसेंट दवा असर कर सकती है। खास बात यह है कि यह मॉडल इलाज शुरू होने के महज 7 से 10 दिनों में दवा के संभावित असर का अनुमान लगाने में मदद कर सकता है।

दवा का असर जानने में लगते हैं 4-6 सप्ताह

डिप्रेशन एक आम मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, लेकिन हर मरीज पर एक ही एंटीडिप्रेसेंट दवा समान तरीके से काम नहीं करती। डॉक्टरों को अवसर दवा शुरू करने के बाद कई सप्ताह तक इंतजार करना पड़ता है ताकि यह पता चल सके कि मरीज में सुधार हो रहा है या दवा बदलने की जरूरत है। शोधकर्ताओं का विकसित किया गया मॉडल मस्तिष्क और पेट की विद्युत गतिविधियों के संकेतों को मरीज के लक्षणों से जोड़कर दवा के संभावित असर का अनुमान लगाने की कोशिश करता है। शुरुआती निष्कर्षों के अनुसार, इससे इलाज के शुरुआती 7-10 दिनों में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

206 लोगों पर किया गया अध्ययन

इस रिसर्च में कुल 206 प्रतिभागियों को शामिल किया गया। इनमें 144 ऐसे मरीज थे, जिन्होंने इससे पहले डिप्रेशन का इलाज नहीं कराया था। इलाज शुरू होने के दौरान

प्रतिभागियों के मस्तिष्क की विद्युत गतिविधि को ध्वन्न और पेट की विद्युत गतिविधि को ध्वन्न के जरिए रिकॉर्ड किया गया। करीब एक सप्ताह बाद इन संकेतों को दोबारा दर्ज किया गया। इसके बाद मरीजों के लक्षणों और इन जैविक संकेतों का विश्लेषण किया गया।

मॉडल ने दिखाई अच्छी सटीकता

शोधकर्ताओं के अनुसार, शुरुआती जांच में मॉडल उन मरीजों में से करीब 84% की पहचान कर सका, जिन पर दवा का पर्याप्त असर नहीं हुआ। वहीं, दवा से लाभ पाने वाले करीब 78% मरीजों की भी सही पहचान की

गई। इसके बाद मॉडल को अलग मरीजों के समूह पर भी जांचा गया। वहां इसकी कुल सटीकता करीब 77.3% रही। नए समूह में दवा का पर्याप्त असर न पाने वाले करीब 71% मरीजों की सही पहचान हुई, जबकि दवा से लाभ पाने वाले लगभग 80% मरीजों को मॉडल ने सही तरीके से पहचान लिया।

हर मरीज के लिए हो सकता है ज्यादा व्यक्तिगत इलाज

इस शोध की खास बात यह है कि यह सिर्फ मरीज के लक्षणों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि दिमाग और पेट की जैविक गतिविधियों को भी विश्लेषण में शामिल करता है। भविष्य में ऐसी तकनीक डॉक्टरों को यह तय करने में मदद कर सकती है कि किस मरीज के लिए कौन-सा उपचार ज्यादा उपयुक्त हो सकता है। हालांकि, यह मॉडल अभी शोध और मूल्यांकन के स्तर पर है। इसे नियमित चिकित्सा उपचार का विकल्प नहीं माना जा सकता और दवा शुरू करने या बदलने का फैसला डॉक्टर की सलाह से ही किया जाना चाहिए।

मकान या दुकान किराए पर देते समय ऐसे करें असली-नकली दस्तावेज की पहचान

आज के दौर में किसी को अपना मकान या दुकान किराए पर देते समय सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है। अमुमन मकान मालिक पहचान के तौर पर किराएदार से आधार कार्ड और पैन कार्ड की प्रतियां मांगते हैं। लेकिन डिजिटल तकनीक के दुरुपयोग से अब नकली और जाली दस्तावेज बनाना बेहद आसान हो गया है। शतरि अपराधी नकली पहचान पत्र देकर मकान किराए पर लेते हैं और बाद में गैर-कानूनी गतिविधियां या अवैध कब्जा जैसी गंभीर समस्याओं को अंजाम देते हैं।

1. आधार कार्ड के असली या नकली होने की पहचान कैसे करें?

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) ने आधार के दुरुपयोग को रोकने के लिए कई बेहतरीन और मुफ्त डिजिटल साधन उपलब्ध कराए हैं। किसी भी किराएदार का आधार जांचने के लिए इन तरीकों का उपयोग करें:

- **एम-आधार ऐप से वयूआर कोड स्कैनिंग:** यह सबसे आसान और अचूक तरीका है। अपने स्मार्टफ़ोन में आधिकारिक mAadhaar ऐप डाउनलोड करें। ऐप में दिए गए वयूआर कोड स्कैनर को खोलें और किराएदार के आधार कार्ड पर छपे वयूआर कोड को स्कैन करें। यदि आधार असली है तो स्क्रीन पर उस व्यक्ति का नाम, लिंग, राज्य, फोटो और अन्य विवरण दिखाई देंगे। जाली आधार होने पर वयूआर कोड स्कैन नहीं होगा या विवरण

मेल नहीं खाएंगे।

- **आधिकारिक पोर्टल से ऑनलाइन सत्यापन:** आप यूआईडीआई (www.uidai.gov.in) पर जाकर Verify an Aadhaar Number सेवा का उपयोग कर सकते हैं। वहाँ आधार संख्या और कैप्चा दर्ज करने पर यदि वह नंबर वैध है तो स्क्रीन पर उसकी पुष्टि हो जाएगी और व्यक्ति की अनुमानित आयु सीमा (जैसे 30-40 वर्ष), लिंग और राज्य का नाम दिखाई देगा।
- **सुरक्षा फ़ैचर्स की भौतिक जांच:** असली आधार कार्ड पर अशोक स्तंभ का लोगो, भारत सरकार का वाटरमार्क और एक विशेष सुरक्षा धागा या पैटर्न होता

है। केवल साधारण फ़ोटोकॉपी पर भरोसा करने के बजाय मूल कार्ड को ध्यान से देखें।

2. पैन कार्ड को सत्यापित करने का सही तरीका

आयकर विभाग ने भी पैन कार्ड की प्रामाणिकता जांचने के लिए ऑनलाइन माध्यम दिए हैं ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके:

- **‘वेरिफाई योर पैन’** सेवा: आयकर विभाग के आधिकारिक ई-फ़ाइलिंग पोर्टल (www.incometax.gov.in/iec/foportal) पर जाएं। होमपेज पर ‘Quick Links’ के अंतर्गत ‘Verify Your PAN’ पर क्लिक करें। यहाँ किराएदार का पैन नंबर, उनका पूरा नाम (जैसा पैन पर है), जन्म तिथि और मोबाइल नंबर दर्ज करें। विवरण सही होने पर स्क्रीन पर PAN is Active and details are matching with PAN database का संदेश दिखाई देगा।
- **पैन वयूआर कोड स्कैनर ऐप:** आयकर विभाग के ‘PAN QR Code Reader’ मोबाइल ऐप के जरिए पैन कार्ड पर मौजूद क्विक रिस्पांस (QR) कोड को

स्कैन करके भी कार्ड धारक का असली नाम, पिता का नाम और जन्म तिथि का मिलान किया जा सकता है।

मकान मालिकों के लिए अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय

दस्तावेजों की जांच के अलावा, कानूनी रूप से सुरक्षित रहने के लिए इन बातों का पालन अवश्य करें:

- **पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य** केवल दस्तावेज जांचना काफी नहीं है। अपने स्थानीय पुलिस स्टेशन में जाकर या राज्य पुलिस के आधिकारिक ऐप के माध्यम से किराएदार का पुलिस सत्यापन जरूर कराएं। यह कानूनी रूप से भी कई शहरों में अनिवार्य है।
- **लिखित रेंट एग्रीमेंट** : हमेशा 11 महीने का पंजीकृत या नोटरीकृत रेंट एग्रीमेंट बनवाएं। इसमें किराएदार के मूल पते और गवाहों के हस्ताक्षर स्पष्ट रूप से होने चाहिए।
- **पड़ोसी या पिछले मकान मालिक से फ़ीडबैक:** यदि संभव हो तो किराएदार के कार्यस्थल (Office) या उनके पिछले मकान मालिक से उनके व्यवहार और पृष्ठभूमि के बारे में संक्षिप्त जानकारी लें।

सतर्कता ही सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। एक मकान मालिक के रूप में थोड़ी सी जल्दबाजी या लापरवाही आपको बड़े कानूनी विवाद में डाल सकती है। किराएदार को चाबी सौंपने से पहले ऊपर बताए गए सरकारी पोर्टलों के जरिए उनके आधार और पैन कार्ड का मिलान अवश्य करें।

स्मार्टफोन में छिपे मालवेयर, फर्जी ऐप्स और एआई स्कैम से बचने के लिए CERT-In और साइबर एक्सपर्ट्स की सेफ्टी गाइड



डिजिटल क्रांति के इस दौर में हमारा स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है, लेकिन यही फोन अब साइबर अपराधियों के लिए ठगी का सबसे आसान जरिया भी बनता जा रहा है. हाल ही में जारी साइबर रिसवॉरिटी एनालिसिस और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिसपॉन्स टीम (CERT-In) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय मोबाइल यूजर्स को निशाना बनाने के लिए स्कैमर्स नए-नए तरीके अपना रहे हैं. मालवेयर, फिशिंग, फेक रिवॉर्ड ऐप्स और एआई (AI) जेनरेटेड वॉयस और मैसेज के जरिए लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाई जा रही है. एआई टेक्नोलॉजी के आने से अब फर्जी मैसेज भी बिचकूल असली जैसे दिखाई देते हैं, जिससे आम यूजर्स के लिए धोखे को पहचानना काफी मुश्किल हो जाता है.

साइबर अपराधी कैसे बना रहे हैं निशाना?

साइबर स्वच्छता केंद्र (Cyber Swachhta Kendra) के अनुसार, हैकर्स मुख्य रूप से चार तरीकों से आम स्मार्टफोन यूजर्स को निशाना बनाते हैं:

- फेक रिवॉर्ड और कैशबैक ऐप्स:** लॉटरी या भारी कैशबैक का लालच देकर फर्जी मोबाइल ऐप्स डाउनलोड करवाए जाते हैं.
- एआई-जेनरेटेड मैसेज और कॉल (AI Scams):** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से परिवार के सदस्यों या बैंक अधिकारियों की फर्जी आवाज बनाकर पैसे मांगे जाते हैं.
- फिशिंग लिंक्स:** एसएमएस,

एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए किसी भी अजाना लिंक को खोलने से बचें, खासकर जिनमें लॉटरी या बिजली बिल का भुगतान करने का दावा किया गया हो.

सुरक्षित परमिशन को रोकें: किसी भी ऐप को अपने फोन के एसएमएस और गैलरी की एक्सेस देने से पहले सोचें. बैंक ओटीपी चोरी करने के लिए हैकर्स एसएमएस रीड परमिशन का इस्तेमाल करते हैं.

एआई कॉल्स से सावधान रहें: अगर कोई परिचित व्यक्ति आपात स्थिति बताकर अचानक कॉल पर पैसे मांगे, तो सीधे उसके पुराने नंबर पर फोन करके सच्चाई जरूर जांच लें.

एंटी-वायरस और ओएस अपडेट रखें: अपने फोन के ऑपरेटिंग सिस्टम और ऐप्स को हमेशा अपडेट रखें ताकि सुरक्षा खामियां ठीक हो सकें.

साइबर हैल्पलाइन 1930 पर रिपोर्ट करें: यदि आप किसी भी साइबर फ्रॉड का शिकार होते हैं, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हैल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं.

टाटा मोटर्स की बिक्री में टाटा सिएरा का बढ़ा योगदान कुल बिक्री में 37.7 प्रतिशत का हिस्सा

टाटा मोटर्स कंपनी ने 6 महीने पहले मार्केट में Tata Sierra को लॉन्च किया है, हालांकि भारत में इस कार का क्रेज सड़कों पर देखा गया है और इसका आकर्षण आज भी तहलका मचा रहा है। अपने ट्रिपल-स्क्रीन डैशबोर्ड, बड़े लाउंज जैसा कैबिन, 12 स्पीकर JBL ऑडियो सिस्टम और आइकॉनिक रियर-ग्लास लुक के चलते यह गाड़ी हर उम्र में लोगों को खूब पसंद आ रही है।

असल में कंपनी की कुल बिक्री में इस कार का महा-योगदान है। इस कार के आने से टाटा कर्व की बिक्री में गिरावट तेजी से देखी गई है। आइए आपको टाटा मोटर्स की गाड़ियों की बिक्री के बारे में विस्तार से जानकारी देते हैं।

Tata Sierrra ने बढ़ाई बिक्री, Cur11 को हुआ भारी नुकसान

- जनवरी से जुलाई 2026 के बीच में टाटा मोटर्स ने कुल 4,41,520 कारें बेचीं, जो कि पिछले साल (2025) की इसी अवधि में बेची गई 3,09,488 कारों से 42.7% अधिक है।

- कंपनी की कुल बिक्री में अकेले टाटा सिएरा की 49,747 यूनिट्स की बिक्री हुई है, टाटा की कुल बढ़ी हुई बिक्री में सिएरा का योगदान 37.7% रहा।
- सिएरा आने से टाटा की दूसरी कार कर्व को काफी नुकसान हुआ है। वैसे तो पंच, नेक्सॉन और

रही थी। सप्लाय चैन में कमी के कारण इसकी हर महीने सिर्फ 6,000-7000 गाड़ियां ही शोरूम तक पहुंच पा रही थीं, जबकि इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी किआ सेल्टोस की हर महीने 10,000 से ज्यादा यूनिट्स बिक रही है और वह आगे बनी हुई है। ऑटोऔर वाहन

Sierra EV से पलटेंगी बाजी

गौरतलब है कि कुछ समय पहले लॉन्च हुई Sierra EV के आने से खेल बदल गया है, क्योंकि सेल्टोस के पास पिछलाइ इसका कोई सीधा इलेक्ट्रिक ऑप्शन नहीं है-

- सिएरा ईवी में 75 kWh और 63kWh बैटरी पैक मिलते हैं। जिससे डुअल-मोटर सेटअप 306 PS की पावर और 504 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है।
- यह कार एक बार फुल चार्ज होने पर 450-500 किलोमीटर की रियल-वर्ल्ड रेंज देती है।
- सिएरा ईवी सिर्फ 5.8 सेकेंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफतार पकड़ लेती है।

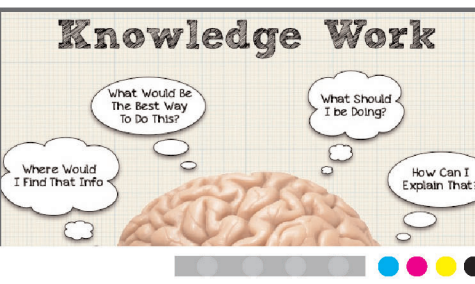
Sierra की कीमत

इस कार की कीमत की बात करें, तो टाटा सिएरा के ICE (पेट्रोल/डीजल) वेरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 11.49 से 21.29 लाख रुपये के बीच में है। जबकि सिएरा ईवी का एक्स-शोरूम प्राइस 18.79 लाख रुपये से शुरू होकर 26.48 लाख रुपये तक है।

आपको बताते चलें कि, सिएरा में पेट्रोल (1.5 Hyperion turbo-petrol) और डीजल (Kryojet turbo-diesel) इंजनों में ही बिक



पूरब टाइम्स





फैटी लिवर ये समस्या तो अब आम ही सुनने को मिल रही है। फैटी लिवर होने के चलते, आपको आगे कई तरह की सेहत संबंधी दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। वहीं फैटी लिवर लिवर फैसल का प्रमुख कारण भी बन रहा है। इस समस्या को दूर करने में आपकी डाइट का बहुत बड़ा रोल रहता है। आपको कुछ चीजों का सेवन अधिक करना है जबकि कुछ चीजों से बिलकुल परहेज करने की जरूरत होती है। सिर्फ़दवाई के सहारे ही आप सही नहीं हो सकते डाइट का भी रोल जरूर रहता है। फैटी लिवर क्यों होता है? फैटी लिवर की समस्या तब होती है जब लिवर की कोशिकाओं में अत्यधिक वसा (फैट) जमा हो जाती है, जिससे लिवर सही ढंग से काम नहीं कर पाता। यह समस्या अगर समय पर ध्यान न दी

जायका

हेल्दी, टेस्ती और या लाइट डिनर के लिए बनाये वेजिटेबल राइस पेपर रोल्स

अगर आप कुछ हेल्दी, टेस्टी और थोड़ा हटके ट्राय करना चाहते हैं, तो ये पनीर और वेजिटेबल राइस पेपर रोल्स आपके लिए एक परफेक्ट रेसिपी है। यह डिश न सिर्फ़ देखने में रंग-बिरंगी और ख़ूबसूरत लगती है, बल्कि इसका स्वाद भी आपको हर बाइट में एक नया अनुभव देगा। चिपचिपे चावल, ताजी सब्जियां, पनीर और एक खास पीनट सॉस की परतों से तैयार ये रोल्स हेल्दी स्नैक या लाइट डिनर के लिए बेहतरीन हैं। साथ ही, इसे बनाना भी आसान है और सर्व करने में स्टाइलिश!

सामग्री
तेल – 2 छोटे चम्मच, पनीर – 180 ग्राम
कोकोनट एमिनोस – 1 बड़ा चम्मच
स्टिकी राइस (चिपचिपा चावल) – 140 ग्राम
नमक – 1 छोटा चम्मच, पानी – 500 मिलीलीटर
पीनट बटर – 50 ग्राम, कोकोनट एमिनोस – 1 बड़ा चम्मच
सोया सॉस – 1 छोटा चम्मच, सिरका – 1 छोटा चम्मच
सिरिराचा सॉस –1 बड़ा चम्मच, लहसुन पाउडर – 1 छोटा चम्मच
अदरक पाउडर – 1/4 छोटा चम्मच, तिल का तेल (सेसमे ऑइल) – 1 बड़ा चम्मच, पानी – 800 मिलीलीटर, राइस पेपर – 10 शीट
लाल शिमला मिर्च – 40 ग्राम (पतली लंबी कटी हुई)
गाजर – 30 ग्राम (पतली लंबी कटी हुई)
एवोकाडो – 80 ग्राम (स्लाइस में कटा हुआ)
पर्पल कैबेज (बैंगनी पत्ता गोभी) – 35 ग्राम (बारीक कटी)
हरा धनिया – 2 ग्राम (कटा हुआ)

लंबी और घनी पलकें पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

हर लड़की का सपना होता है कि उसकी आंखों की पलकें लंबी, घनी और खूबसूरत दिखें। लेकिन बार-बार नकली लैशेज लगाना हर किसी को पसंद नहीं आता। अच्छी बात यह है कि इसके लिए आपको महंगे प्रोडक्ट्स या सैलून ट्रीटमेंट्स की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और प्राकृतिक घरेलू नुस्खे आपकी पलकों को नेचुरल तरीके से लंबा और घना बना सकते हैं।
व्यों जरूरी हैं घनी और लंबी पलकें?
पलकों से चेहरा और आंखें दोनों और खूबसूरत दिखते हैं। लेकिन प्रदूषण, गलत खानपान, ज्यादा मेकअप और स्ट्रेस के कारण पलकें कमजोर होकर टूटने लगती हैं। ऐसे में उनकी सही देखभाल करना बेहद जरूरी है। प्राकृतिक तेलों और विटामिन्स से आप पलकों को फ़िर से मजबूत बना सकती हैं और उनकी गोथ बढ़ा सकती हैं।
नारियल तेल (पलकों को नेचुरल पोषण)–नारियल तेल सिर्फ़बालों के लिए ही नहीं, बल्कि पलकों के लिए भी बहुत फ़यदेमंद है। इसमें मौजूद लॉरिक एसिड पलक की जड़ों तक गहराई से पोषण पहुंचाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। रोजाना रात को सोने से पहले कॉटन बड या उंगलियों की मदद से हल्का सा नारियल तेल पलकों पर लगाएं। नियमित इस्तेमाल से पलकें मजबूत होंगी, टूटना कम होगा और उनकी लंबाई धीरे-धीरे बढ़ने लगेगी।
विटामिन ई ऑयल (पलकों को बनाए मजबूत)–विटामिन ई बालों और त्वचा के लिए बहुत फ़यदेमंद माना जाता है, और यही इसे पलकों के लिए भी खास बनाता है। यह पलकें मजबूत करने और उन्हें घना बनाने में मदद करता है। इस्तेमाल करने के लिए एक विटामिन ई कैप्सूल को काटकर उसमें मौजूद तेल को कुछ बूंदें बादाम तेल में मिलाएं। इसे रात को सोने से पहले धीरे-धीरे पलकों पर लगाएं। नियमित इस्तेमाल से कुछ ही हफ़्तों में पलकें हेल्दी

यदि फैटी लिवर हो तो खाने पीने के रखें विशेष ध्यान, एक हफ्ते में होगा असर

जाए तो लिवर की अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। अच्छी बात यह है कि नेचुरल तरीकों से सही आहार और जीवनशैली में बदलाव करके फैटी लिवर

की समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।
फैटी लिवर में डाइट कैसी रखें?
फैटी लिवर की समस्या है तो सबसे पहले अपनी डाइट से ऑयली चीज़ें निकाल दें। खाना अध-पका और नेचुरल खाएं। आपका खाना 40 से 50 प्रतिशत तक ही पका होना चाहिए। कलरफ़ुल व हरी सब्जियां अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। नट्स आपकी डाइट में होने चाहिए। हर तरह के नट्स खाने सेहत के लिए फ़यदेमंद हैं। रोज़ का एक सेब जरूर खाएं। हल्दी का सेवन करना फैटी लिवर की समस्या को दूर करता है। ज्वार-बाजरा जरूर खाएं क्योंकि ये ग्लाइसेमिक इंडेक्स फ़ूड हैं। वीट (गेंहू) खाने से शुगर लेवल

जल्दी बढ़ता है जबकि ज्वार-बाजरा में शुगर लेवल बहुत रलो रहता है।

1. **फैटी लिवर में क्या खाएं ?**
हरी पत्तेदार सब्जियां: पालक, केल और मेथी जैसी सब्जियाँ लिवर के लिए बेहतरीन होती हैं क्योंकि ये एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर होती हैं।

फलों का सेवन : सेब, संतरा, पपीता, और बेरीज जैसे फल फैटी लिवर में फ़यदेमंद होते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन से भरपूर होते हैं, जो लिवर की मरम्मत में मदद करते हैं।

ओमेगा-3 फैटी एसिड वाले खाद्य पदार्थ : मछली (सेल्मन, सार्डिन), अलसी के बीज, अखरोट और चिया सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो लिवर में सूजन को कम करने और फैट को घटाने में मदद करते हैं।

फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ : ओट्स, ब्राउन राइस, और साबुत अनाज वाले खाद्य पदार्थ फाइबर से



भरपूर होते हैं और पाचन प्रक्रिया को सही रखते हैं। ये लिवर से फैट को हटाने में मददगार साबित होते हैं।

ग्रीन टी : ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो लिवर में वसा को कम करने में मदद करते हैं और लिवर के कामकाज को बेहतर बनाते हैं।

हल्दी : हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन लिवर

की सूजन को कम करने और लिवर की कार्यक्षमता को बढ़ाने में सहायक होता है।
फैटी लिवर में क्या नहीं खाएं?

प्रोसेस्ड फूड : जैसे फ़स्ट फूड, पैकेटबंद सेवस, बिस्किट, और फ़्रैजन फूड में अनहेल्दी फैट और शुगर होती है, जो लिवर के लिए हानिकारक होती है।

चीनी और शुगर युक्त पेय पदार्थ : शुगर युक्त पेय जैसे सॉफ़्ट ड्रिंक्स, कोल्ड ड्रिंक्स, और स्वीटेड जूस फैटी लिवर की समस्या को बढ़ा सकते हैं। यह लिवर में वसा जमा करने का मुख्य कारण होते हैं।

अत्यधिक शराब : शराब फैटी लिवर का सबसे बड़ा कारण है। इसे पूरी तरह से छोड़ देना चाहिए या बहुत कम मात्रा में लेना चाहिए।

सफेद आटा और सफेद चावल : ये रिफ़ाईंड कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो लिवर में वसा के जमाव को बढ़ा सकते हैं। इसके बजाय ब्राउन राइस और साबुत अनाज का सेवन करें।

तले हुए और फैट वाले भोजन : गहरे तेल में तले हुए भोजन और सेंचुरेटेड फैट वाले खाद्य पदार्थ लिवर में फैट की मात्रा बढ़ा सकते हैं। ऐसे में तले हुए भोजन से दूर रहना चाहिए।
नेचुरल तरीके से फैटी लिवर को कैसे ठीक करें?
वजन कम करें : वजन कम करना फैटी लिवर को ठीक करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। 5–10% तक वजन कम करने से लिवर की फैट की मात्रा में काफी कमी आ सकती है।

नियमित व्यायाम : रोजाना कम से कम 30 मिनट का व्यायाम करें। तेज चलना, साइकिल चलाना, योग या तैराकी जैसे व्यायाम फैटी लिवर को ठीक करने में मदद करते हैं। नियमित व्यायाम से लिवर की कार्यक्षमता बढ़ती है और फैट कम होता है।
पर्याप्त नींद लें : सही मात्रा में और अच्छी गुणवत्ता वाली नींद भी फैटी लिवर की समस्या को ठीक करने में सहायक है। नींद की कमी से शरीर में सूजन बढ़ सकती है, जिससे लिवर पर बुरा असर पड़ता है।

बच्चों के गुस्से को कैसे करे कंट्रोल, यह माता-पिता के लिए चुनौतीपूर्ण

बच्चों का गुस्सा संभालना कई बार माता-पिता के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है। लेकिन अगर आप धैर्य न खोते हुए सही तरीकों से बच्चे को गाइड करें, तो वह धीरे-धीरे अपने गुस्से को कंट्रोल करना सीख सकता है। यहां 6 प्रभावी तरीके बताए जा रहे हैं, जिनसे आप अपने बच्चे की मदद कर सकते हैं :

शांत रहें और उदाहरण बनें

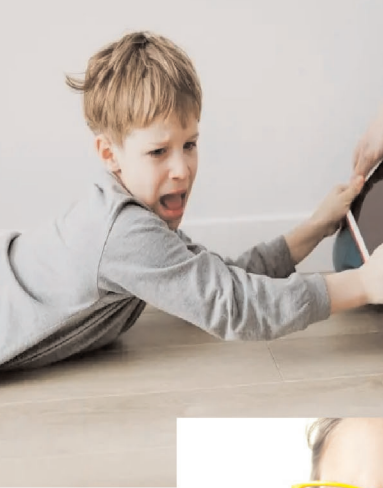
बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने माता-पिता को करते हुए देखते हैं। अगर आप गुस्से में चिल्लाते हैं बजाय शांत रहते हैं, तो बच्चा भी धीरे-धीरे वैसा ही करना सीखेगा।

बच्चे की भावनाओं को मान्यता दें

जब बच्चा गुस्से में हो, तो उसे यह एहसास दिलाएं कि उसकी भावनाएं गलत नहीं हैं। जैसे – "मुझे पता है कि तुम नाराज हो क्योंकि तुम्हें खिलौना नहीं मिला।" इससे बच्चा खुद को समझा हुआ महसूस करेगा।

गहरी सांस लेना और शांत होने की तकनीक सिखाएं

बच्चे को सिखाएँ कि जब वह गुस्सा हो तो 1 से 10 तक गिनती करें, गहरी सांस ले या थोड़ा पानी



पिएं। ये छोटे-छोटे उपाय उसके गुस्से को कंट्रोल करने में मदद करेंगे।

ध्यान बांटने का तरीका अपनाएं

कभी-कभी बच्चे का ध्यान किसी और गतिविधि की ओर ले जाने से उसका गुस्सा कम हो जाता है।

जैसे डू इड्रिंग, गाना गाना, खिलौनों से खेलना या बाहर टहलना।

स्पष्ट नियम और सीमाएं तय करें

बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि गुस्से का मतलब दूसरों को चोट पहुंचाना नहीं होता। अगर बच्चा गलत व्यवहार करता है तो उसे शांति से समझाएं और सही व्यवहार सिखाएं।

अच्छे व्यवहार की तारीफ करें

जब बच्चा अपने गुस्से को अच्छे तरीके से संभालता है, तो उसकी सराहना करें। इससे उसे प्रोत्साहन मिलेगा और वह अगली बार भी ऐसा करने की कोशिश करेगा।

याद रखें, बच्चे को गुस्सा आना स्वाभाविक है, लेकिन उसे सही तरीके से

संभालना सिखाना आपकी जिम्मेदारी है। धैर्य और प्यार से आप उसे भावनात्मक रूप से मजबूत बना सकते हैं।

वास्तु के अनुसार इन पौधों को न लगाये घर में, होगा नुकसान

सनेक या सैंटीसेरियम एक लोकप्रिय इंडोर पौधा है जिसे लोग अपने घर में सजावट और हवा को साफरखने के लिए लगाते हैं। हालांकि, इसके कुछ फ़यदे होते हुए भी आयुर्वेद और वास्तु शास्त्र के अनुसार इसे घर में लगाने से कुछ नुकसान हो सकते हैं। आइए जानते हैं क्यों इसे लगाना सही नहीं माना जाता।

वास्तु शास्त्र में नकारात्मक माना जाता है

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में सनेक प्लांट लगाने से कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। इसके तेज और नुक़ीले पत्ते नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकते हैं, जिससे घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। इससे परिवार में तनाव, असहज माहौल और रिश्तों में मनमुटाव जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। साथ ही, कुछ वास्तु विशेषज्ञों का मानना ​​है कि गलत दिशा में यह पौधा लगाने से धन-संपत्ति और करियर में बाधाएं आ सकती हैं। इसलिए घर में सनेक प्लांट लगाने से पहले उसकी सही दिशा और स्थान का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि घर की खुशहाली और सकारात्मक वातावरण सुरक्षित रहे।

रात में ऑक्सीजन कर सकता कम

सनेक प्लांट दिन के समय में कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे कमरे की हवा ताजी और साफ रहती है। लेकिन रात में इसके पत्ते उल्टा काम करने लगते हैं। यह ऑक्सीजन लेने लगता है और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ता है। अगर इसे



बेडरूम या सोने के कमरे में रखा जाए, तो नींद के दौरान कमरे में ऑक्सीजन की मात्रा थोड़ी कम हो सकती है। लंबे समय तक ऐसा रहने से नींद की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और सुबह थकान या सुस्ती महसूस हो सकती है। इसलिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सनेक प्लांट को सोने के कमरे की बजाय लिविंग रूम या हॉल में रखना ज्यादा सुरक्षित है।

कुछ लोगों को एलर्जी हो सकती है

सनेक प्लांट घर की हवा को साफ करने में मदद करता है, लेकिन इसके पत्तों से निकलने वाली गैस या धूल के छोटे कण कुछ लोगों के लिए एलर्जी पैदा कर सकते हैं। यह खासकर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसके संपर्क में आने या इसे लंबे समय तक अंदर रखने से खांसी, छींक, आंखों में जलन या सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए

यदि घर में संवेदनशील लोग या बच्चे हैं, तो इस पौधे को बच्चों के कमरे या बेडरूम में लगाने से बचना चाहिए।

पालतू जानवरों के लिए हानिकारक

यदि घर में पालतू जानवर जैसे बिल्ली या कुत्ते हैं, तो सनेक प्लांट उनके लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसके पत्तों में कुछ तत्व ऐसे होते हैं जो जानवरों के पेट के लिए हानिकारक हो सकते हैं। यदि जानवर इसे चबाए या खा ले, तो उन्हें पेट दर्द, उल्टी, दस्त या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पालतू जानवरों वाले घरों में इस पौधे को हमेशा उनकी पहुंच से दूर रखना चाहिए और इसे लिविंग रूम या ऊंची जगह पर लगाना सुरक्षित माना जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर

कुछ लोगों के लिए घर में तेज और नुक़ीले पत्तों वाले पौधे, जैसे सनेक प्लांट, मानसिक रूप से भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसके पत्तों की तेज और शार्प आकृति घर में अस्थिर ऊर्जा पैदा कर सकती है, जिससे तनाव, चिड़चिड़ापन और बेचैनी बढ़ सकती है। यह खासकर उन लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है जो पहले से मानसिक रूप से संवेदनशील हैं या चिंता और स्ट्रेस से जूझ रहे हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए इसे सही दिशा और स्थान पर रखना जरूरी है और बेडरूम या बच्चों के कमरे में लगाने से बचना चाहिए।

घुमक्कड़ लोग घूमने के इतने शौकीन होते हैं कि कई बार वे अकेले ही निकल जाते हैं। ऐसे में सोलो ट्रिप की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अकेले यात्रा करना खुद के साथ समय बिताने, नए लोगों से मिलने और अनोखे अनुभवों का आनंद लेने का एक शानदार तरीका है। जब बाता आती है महिलाओं के लिए, अब भारत भर में कई ऐसे स्थान हैं जो सुंदर और सुरक्षित दोनों हैं। इन स्थानों पर महिलाएं जरूर जाएं।

सोलो ट्रिप के लिए भारत में 5 बेस्ट जगहें

ऋषिकेश, उत्तराखंड
सोलो ट्रिप के लिए महिलाओं के लिए ऋषिकेश सबसे बेस्ट जगह है।



जरूर जाएं। गोल्डन सिटी जैसलमेर में रेगिस्तान देखना एक जादुई जगह जैसा लगता है। यहां पर आपको ऐतिहासिक किला, हवेलियां और

जैसलमेर, राजस्थान

सोलो ट्रिप को खास बनाने के लिए आप राजस्थान के जैसलमेर में

ऐतिहासिक फ़िल्म ‘देवराय’ में श्री कृष्णदेवराय के रोल में एक्टर किच्चा सुदीप के लुक ने सोशल मीडिया पर छेड़ी बहस



आने वाली ऐतिहासिक फ़िल्म ‘देवराय’ में श्री कृष्णदेवराय के रोल में एक्टर किच्चा सुदीप के लुक ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। कई यूजर्स ने विजयनगर के सम्राट को दाढ़ी के साथ दिखाने के फ़ैसले पर सवाल उठाए हैं। जहाँ सुदीप के पहले लुक ने इस बड़े प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह पैदा किया है, वहीं कुछ दर्शकों का तर्क है कि एक्टर का लुक श्री कृष्णदेवराय के पारंपरिक चित्रण से मेल नहीं खाता, जिन्हें आम तौर पर बिना दाढ़ी के दिखाया जाता है। पहले लुक में सुदीप एक शाही अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं।

दक्षिण भारत की सबसे मशहूर ऐतिहासिक हस्तियों में से एक का रोल निभाते हुए उन्होंने घनी दाढ़ी रखी है। हालाँकि मेकर्स ने सम्राट को एक रफ़ और मजबूत लुक देने का फ़ैसला किया है, लेकिन चेहरे पर दाढ़ी ऑनलाइन चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन गई है। इतिहास

पारंपरिक चित्रण से अलग है नया लुक
फ़िल्म के निर्माताओं ने सम्राट को एक रफ़ मजबूत और शाही लुक देने की कोशिश की है। हालांकि, दर्शकों और इतिहासकारों का तर्क है कि श्री कृष्णदेवराय का यह रूप उनके पारंपरिक और ऐतिहासिक चित्रण से बिल्कुल मेल नहीं खाता। ऐतिहासिक चित्रों, सिक्कों और मूर्तियों में सम्राट को हमेशा बिना दाढ़ी के दिखाया गया है। डोमिंगो पेस के यात्रा वृत्तांतों का उल्लेख किया, जिन्होंने 16वीं शताब्दी में सम्राट से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी। पेस ने अपने विवरणों में सम्राट के

चेहरे की बनावट का जिक्र तो किया, लेकिन कहीं भी दाढ़ी का उल्लेख नहीं किया। सिनेमाई बदलावों पर नाराजगी: दर्शकों का आरोप है कि ऐतिहासिक किरदारों के वास्तविक रूप-रंग के बजाय अभिनेताओं की अपनी स्टाइल और सहूलियत को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ यूजर्स ने इसकी तुलना हाल ही में आई पौराणिक फ़िल्मों से करते हुए इसे इतिहास का अनादर बताया।

विजयनगर साम्राज्य और कन्नड़ सिनेमा का इतिहास
श्री कृष्णदेवराय विजयनगर साम्राज्य के सबसे प्रतापी शासकों में से एक थे, जो अपनी सैन्य विजय, बेहतरीन प्रशासन और कला-साहित्य के संरक्षण के लिए जाने जाते हैं। कन्नड़ सिनेमा में इस किरदार का एक विशेष और भावनात्मक महत्व है, क्योंकि इससे पहले महान अभिनेता डॉ. राजकुमार पर्दे पर श्री कृष्णदेवराय की कालजयी भूमिका निभा चुके हैं। बड़े बजट में बन रही फ़िल्म ‘देवराय’ को लेकर फैंस में भारी उत्साह तो है, लेकिन इस नए विवाद पर पिछलाल मेकर्स या किच्चा सुदीप की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि सुदीप के 55वें जन्मदिन (2 सितंबर) पर फ़िल्म का पहला लुक जारी किया गया था, लेकिन मेकर्स ने डायरेक्टर का नाम बताने से परहेज किया। मेकर्स ने ब्रु से बना एक वीडियो भी जारी किया, लेकिन यह साफ़ कर दिया कि अनाउसमेंट वीडियो में इस्तेमाल किए गए विजुअल्स फ़िल्म का हिस्सा नहीं होंगे।

सामाजिक मुद्दों पर बेबाक राय रखने वाले यूट्यूबर नीतीश राजपूत बिग बॉस 20 में कर रहे हैं एंट्री?

टीवी का सबसे चर्चित और लोकप्रिय रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ अपने 20वें सीजन के साथ वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। शो के शुरू होने से पहले ही इसके संभावित कंटेस्टेंट्स को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपनी बेहतरीन रिसर्च और सामाजिक मुद्दों पर बेबाक राय रखने के लिए मशहूर यूट्यूबर नीतीश राजपूत ‘बिग बॉस 20’ के घर में एंट्री ले सकते हैं। इस खबर के सामने आते ही उनके प्रशंसकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। नीतीश ने मौजूदा घटनाओं, सामाजिक मुद्दों और आम जनता के बीच चर्चा के विषयों पर वीडियो बनाकर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। रिसर्च पर फ़ोकस करने वाले YouTuber से रियलिटी शो के कंटेस्टेंट बनने के उनके सपने ने फैंस के बीच उत्सुकता पैदा कर दी है। नीतीश राजपूत की एंट्री को लेकर फैंस उत्साहित फैंस यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि यह कंटेंट क्रिएटर बिग बॉस 20 के घर के अंदर कैसा व्यवहार करते हैं। सामाजिक

और मौजूदा मामलों पर वीडियो बनाने के उनके बैकग्राउंड को देखते हुए, उम्मीद है कि उनकी एंट्री शो में एक अलग तरह का माहौल लाएगी। नीतीश राजपूत चर्चा में क्यों थे? नीतीश ने हाल ही में स्क्व परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर बात की थी। परीक्षा प्रक्रिया में कथित समस्याओं को उजागर करने वाले उनके वीडियो ने काफी ध्यान खींचा और उम्मीदवारों व ऑनलाइन दर्शकों के बीच बहस छेड़ दी। बाद में यह मामला Educquity Technologies के साथ कानूनी विवाद में बदल गया। खबरों के मुताबिक, इस सस्था ने नीतीश राजपूत के खिलाफ 2.5 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया। YouTuber अपने काम पर अडिग रहे और कहा कि उनका एनालिसिस सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी और आधिकारिक दस्तावेजों पर आधारित था। इस विवाद ने उनके काम की ओर और ध्यान खींचा और आम जनता के बीच उनकी पहचान बढ़ाई।



‘होप’ को अब तक की सबसे महंगी 345 करोड़ की कोरियाई फ़िल्म 25 सितंबर को भारत में होगी रिलीज़

‘द वेलिंग’ (The Wailing) जैसी सस्पेंस हॉरर क्लासिक फ़िल्म बनाने वाले दिग्गज साउथ कोरियाई फ़िल्ममेकर ना होंग-जिन लगभग एक दशक बाद बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी कर रहे हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित साईंस-फ़िक्शन थ्रिलर फ़िल्म ‘होप’ भारत के सिनेमाघरों में 25 सितंबर 2026 को दस्तक देने जा रही है। यह फ़िल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें साउथ कोरिया के सबसे बड़े सुपरस्टार्स के साथ हॉलीवुड की चर्चित जोड़ियां एक साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। ‘होप’ को अब तक की सबसे महंगी कोरियाई फ़िल्म बताया जा रहा है। इसका प्रोडक्शन बजट 50 बिलियन वॉन (लगभग 345 करोड़ रुपये) से ज्यादा होने का अनुमान है, जो इसे कोरियाई सिनेमा के लिए एक बहुत ही महत्वाकांक्षी प्रोडक्शन बनाता है। कुछ रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा और भी ज्यादा, यानी 70 बिलियन वॉन (लगभग 485 करोड़ रुपये) बताया गया है। भारतीय दर्शकों के लिए यह फ़िल्म अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कोरियाई भाषाओं में आएगी। इस तरह यह सिर्फ

कोरियाई भाषा की फ़िल्म न रहकर एक बड़े पैमाने पर रिलीज़ होने वाली फ़िल्म बन जाएगी। ‘होप’ किस बारे में है? साउथ कोरिया के ‘डीमिलिटराइज्ड ज़ोन’ के पास एक दूर-दराज के गाँव में सेट, ‘होप’ की कहानी एक रहस्यमयी जीव के मिलने से शुरू होती है। जो घटना शुरू में एक अलग-थलग मामला लगती है, वह जल्द ही ज़िंदा रहने की लड़ाई में बदल जाती है। पुलिस चीफ़ बम-सेओक और ऑफ़िसर सुंग-ए को गाँव की सुरक्षा की जिम्मेदारी सभालनी पड़ती है, क्योंकि मदद के लिए आने वाली टीम को जंगल की आग बुझाने के काम में लगा दिया जाता है और बाहरी दुनिया से संपर्क टूट जाता है। इस बीच, जो स्थानीय लोग उस जीव का पता लगाने के लिए पहाड़ों में जाते हैं, उन्हें पता चलता है कि वे खुद ही शिकार बन गए हैं। कहानी का आधार एक सीधी-सादी ‘क्रिएचर थ्रिलर’ जैसा लगता है, लेकिन ऐसा लगता है कि ना होंग-जिन इस जॉनर का इस्तेमाल किसी बड़ी चीज़ की शुरुआत के तौर पर



3 अक्टूबर को कोलकाता में होने वाले भारत और ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मैच के टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू

फुटबॉल के प्रति जुनून के लिए मशहूर कोलकाता के प्रशंसकों ने अगले महीने होने वाले बहुप्रतीक्षित भारत-ब्राजील मैत्री मैच के लिए बुधवार को ऑनलाइन टिकट बिक्री शुरू होते ही जबरदस्त उत्साह दिखाया। इस मुकाबले के कम कीमत वाले टिकट ऑनलाइन बिक्री शुरू होने के एक घंटे के भीतर ही बिक गए। भारत तीन अक्टूबर को पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील से भिड़ेगा। खेल और खासकर ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के प्रति जुनूनी इस शहर में मुकाबले को लेकर फुटबॉल का रोमांच पहले ही चरम पर पहुंचने लगा है। टिकटों की कीमत 999 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक है। बुधवार को कुल कितने टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए इसका तत्काल पता नहीं चल सका। हालांकि विवेकानंद युवा भारती क्रीडांगन (वीवाईबीके) में होने वाले इस मुकाबले के लिए ‘डिस्ट्रिक्ट’ पर ऑनलाइन बिक्री शुरू होने के एक घंटे के भीतर ही कम कीमत वाले टिकट बिक गए। टिकटों की कीमत 999 रुपये, दो हजार रुपये, ढाई हजार रुपये, साढ़े तीन हजार रुपये, साढ़े चार हजार रुपये, छह हजार रुपये, सात हजार रुपये, नौ हजार रुपये और वीआईपी सीटों के लिए 15 हजार रुपये रखी गई है। वीवाईबीके की दर्शक क्षमता करीब 67,000 है और उम्मीद है कि इनमें से 70 प्रतिशत सीटों के टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। भारतीय टीम इस हाई प्रोफाइल मैत्री श्रृंखला में पनामा और दो बार के विश्व चैंपियन उरुग्वे से भी भिड़ेगी। भारत 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कालीतरा स्टेडियम में पनामा की मेजबानी करेगा। इसके बाद टीम कोलकाता पहुंचेगी जहां तीन अक्टूबर को ब्राजील और फिर छह अक्टूबर को उरुग्वे का सामना करेगी। ब्राजील के खिलाफ मुकाबले के टिकट केवल ऑनलाइन बिक्री के लिए



उपलब्ध कराए गए हैं और काउंटर से टिकट नहीं मिलेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) इस बार भौतिक टिकट जारी नहीं करेगा। सभी पास डिजिटल प्रारूप में दिए जाएंगे जैसा फीफ विश्व कप के दौरान किया गया था। भारत के मुख्य कोच खालिद जमील ने फीफ मैत्री मुकाबलों के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा पहले ही कर दी है।

जानें UGC NET June 2026 के री-एग्जाम में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए जरूरी अपडेट

UGC NET June 2026 Re-Exam City Slip: UGC NET June 2026 के री-एग्जाम में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए जरूरी खबर है. National Testing Agency यानी NTA ने री-एग्जाम की Exam City Intimation Slip जारी कर दी है. उम्मीदवार अब लॉगिन करके देख सकते हैं कि उनका एग्जाम किस शहर में होगा. यह री-एग्जाम 9 और 10 सितंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा. हालांकि, यह परीक्षा सभी UGC NET उम्मीदवारों के लिए नहीं है. सिर्फ इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषय के उम्मीदवारों को दोबारा परीक्षा देनी होगी.

क्यों हो रहा है UGC NET का री-एग्जाम?
NTA ने जून में UGC NET परीक्षा का आयोजन किया था. इसके बाद इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी के पेपर को लेकर उम्मीदवारों ने शिकायतें की थीं. शिकायतों की जांच के लिए NTA ने एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई थी.

कमेटी को इन पेपर में कई तरह की गलतियां मिलीं. इनमें तथ्यात्मक, टाइपिंग, भाषा और ट्रांसलेशन से जुड़ी गलतियां शामिल थीं. कुछ सवालों में पुराने प्रश्न दोहराए जाने की बात भी सामने आई. इसके बाद NTA ने इन तीनों विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का Exam City Slip कैसे डाउनलोड करें? सबसे पहले UGC NET की ऑफिशियल वेबसाइट ugcnet.nta.nic.in पर जाएं. होमपेज पर UGC NET June 2026 Re-Exam City Slip का लिंक खोलें. इसके बाद अपना Application Number और मांगी गई Login Details दर्ज करें. अब Submit करने पर आपकी Exam City Slip स्क्रीन पर दिखाई देगी. इसे डाउनलोड करके इसका Printout या PDF सेव कर लें. ध्यान रखें, Exam City Slip Admit Card नहीं है. इसमें सिर्फ उस शहर की जानकारी दी जाती है, जहां आपका परीक्षा केंद्र होगा. परीक्षा केंद्र का पूरा पता Admit Card में दिया जाएगा. NTA जल्द ही री-एग्जाम का Admit Card जारी करेगा. इस री-एग्जाम के लिए उम्मीदवारों को अलग से कोई एग्जाम फीस नहीं देनी होगी. फैंसला किया.



भगवान श्रीकृष्ण के गीता के उपदेश एक मार्गदर्शक जानें जीवन की हर चुनौती का सामना करने के 7 अनमोल सूत्र

जीवन में हर किसी को कभी न कभी मुश्किल समय का सामना करना पड़ता है. ऐसे समय में कई बार समझ नहीं आता कि क्या करना सही है. ऐसे समय में श्रीमद्भगवद्गीता के उपदेश हमें मुश्किल परिस्थितियों में सही सोच और मन का संतुलन बनाए रखने की सीख देते हैं. कुरुक्षेत्र के युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जीवन, कर्म और कर्तव्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण संदेश दिए थे. गीता के ये उपदेश आज भी हमारी जिंदगी में काम आ सकती हैं. आइए जानते हैं श्रीकृष्ण के 7 ऐसे उपदेश, जिन्हें जीवन में अपनाकर हम कई परेशानियों का सामना कर सकते हैं.

परिणाम की चिंता छोड़ कर्म पर ध्यान दें
कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन. मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि.. पढ़ाई, नौकरी या कारोबार में हम अक्सर परिणाम को लेकर तनाव में रहते हैं. श्रीकृष्ण कहते हैं कि हमारा अधिकार केवल करने पर है, उसके फल पर नहीं. इसलिए परिणाम की चिंता करने के बजाय अपने प्रयास और जिम्मेदारी पर ध्यान देना चाहिए.

सफलता और असफलता में संतुलन रखें
योगस्थः कुरु कर्मणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय. सिद्ध्यसिद्धयोः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते..

जीवन में सफलता और असफलता दोनों आती हैं. श्रीकृष्ण का संदेश है कि दोनों परिस्थितियों में मन को संतुलित रखना चाहिए. सफलता मिलने पर अहंकार और असफलता पर निराशा से बचना जरूरी है. जो आपके नियंत्रण में नहीं, उसकी चिंता न करें सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज. अहं त्वां सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः.. जीवन में हर चीज हमारे नियंत्रण में नहीं होती. गीता हमें अपनी जिम्मेदारियां पूरी ईमानदारी से निभाने और उन चीजों की चिंता छोड़ने की सीख देती है, जिन्हें हम बदल नहीं सकते. इससे मन को अनावश्यक तनाव से बचाने में मदद मिलती है.



अपनी क्षमता पर विश्वास रखें
वलेष्वा मा स्म गमः पार्थ नेतृत्वयुपपद्यते. क्षुद्रं हृदयदीर्बल्यं त्यक्तवोत्तिष्ठ परन्तप.. मुश्किल समय में कई बार हम अपनी क्षमता पर संदेह करने लगते हैं. गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन को कमजोरी छोड़कर अपने कर्तव्य के लिए आगे

बढ़ने की प्रेरणा देते हैं. इससे सीख मिलती है कि कठिन परिस्थितियों में भी खुद पर भरोसा बनाए रखना चाहिए. जिम्मेदारी निभाएं, लेकिन परिणाम से अत्यधिक न जुड़ें तस्मादसक्तः सततं कार्यं कर्म समाचर. असक्तो

ह्याचरन्कर्म परमाज्जीति पुरुषः.. अनासक्ति का अर्थ जिम्मेदारियों से भागना नहीं है. इसका अर्थ है कि अपना काम पूरी निष्ठा से करें, लेकिन उसके परिणाम को लेकर अत्यधिक चिंता न करें. इससे व्यक्ति अपने कर्तव्य पर बेहतर तरीके से ध्यान दे पाता है. **सीखना कभी बंद न करें**
न हि ज्ञानेन सवृशं पवित्रमिह विद्यते. तत्त्वयं योगसंसिद्धः कालेनात्मनि विन्दति.. ज्ञान व्यक्ति को बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है. गीता का संदेश है कि जीवन में ज्ञान और सीखने की प्रक्रिया कभी नहीं रुकनी चाहिए. अपने अनुभवों से सीखकर व्यक्ति लगातार खुद को बेहतर बना सकता है. **मन को अपना मित्र बनाएं**
उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत्. आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः.. नकारात्मक विचार और लगातार सोचते रहना मन को परेशान कर सकता है. गीता में मन को नियंत्रित रखने की सीख दी गई है. अनुशासित मन हमारा मित्र बन सकता है, जबकि अनियंत्रित मन हमारी परेशानियां बढ़ा सकता है.

सार – संक्षेप

महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर दोहरा मापदंड का आरोप लगाया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में भाजपा और नेशनल कॉंग्रेस (नेका) के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शनों के बीच पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को अधिकारियों पर राजनीतिक दलों के प्रदर्शनों को लेकर ‘‘दोहरे मापदंड’’ अपनाने का आरोप लगाया। महबूबा ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘वही पुलिस जो पीडीपी को जनहित के मुद्दों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए अपने कार्यालय से बाहर निकलने की अनुमति नहीं देती, उसने भाजपा और नेका दोनों को एक-दूसरे के खिलाफप्रदर्शन करने में मदद की।’’ पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी लाल चौक में भाजपा कार्यकर्ताओं के एक बड़े प्रदर्शन के बाद आई। भाजपा कार्यकर्ता केंद्र शासित प्रदेश में नेशनल कॉंग्रेस सरकार के खिलाफप्रदर्शन कर रहे थे।

DVAC ने जाल बिछाकर 1.21 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी पकड़ा

चेन्नई। तमिलनाडु सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने अगस्त महीने में राज्यभर में 1.21 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाब नकदी और डिजिटल लेनदेन का पता लगाया तथा कई सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डीवीएसी की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, एक अगस्त से 31 अगस्त के बीच विभाग ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में राज्य मंडल अधिकारी, प्रखंड विकास अधिकारी, सहायक कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ सहायक, वाणिज्य निरीक्षक, सचिव, ग्राम प्रशासनिक अधिकारी, ग्राम सहायक, पुलिस उप निरीक्षक कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ सहायक, वाणिज्य निरीक्षक, सचिव, ग्राम प्रशासनिक अधिकारी, ग्राम सहायक, पुलिस उप निरीक्षक कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ सहायक, वाणिज्य निरीक्षक, सचिव, ग्राम प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि इसी अवधि के दौरान डीवीएसी की टीमों और जिला निरीक्षण प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने विभिन्न राज्य सरकारी कार्यालयों में औचक जांच की।

पीएम नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, डी वेवर ने कहा कि दो दशकों में भारत यात्रा बहुत महत्वपूर्ण

भारत की बढ़ती वैश्विक अहमियत को रेखांकित करते हुए, बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने गुरुवार को कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के साथ-साथ सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था, टेक्नोलॉजी और फ़रनेंस का केंद्र और एक मजबूत भू-राजनीतिक ताकत बन गया है, जिसका प्रभाव उसके आस-पास के इलाकों से कहीं आगे तक फैला है। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, डी वेवर ने कहा कि दो दशकों में किसी बेल्जियम के प्रधानमंत्री की यह पहली भारत यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है, हालांकि यह अंतराल "बहुत लंबा" था। सरकारीएजेंसियां उन्होंने भारत में हुए बड़े बदलावों की भी तारीफ़की, खासकर इन वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में। डी वेवर ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी का इतने गर्मजोशी भरे स्वागत, मेहमाननवाजी और हमारी बहुत ही खुलकर हुई

अमेरिका ने बढ़ाई सैनिकों की तैनाती! क्या यह नई कूटनीति है?

वॉल स्ट्रीट जर्नल’ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के साथ चल रहे तनाव के सात महीने बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप निजी तौर पर यह घोषणा करने पर विचार कर रहे हैं कि युद्ध खत्म हो गया है। हालांकि, पेंटागन पश्चिम एशिया में सैनिकों की तैनाती बढ़ा रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि तनाव अगले साल तक जारी रह सकता है। यह रिपोर्ट तब आई जब मंगलवार को अमेरिका और ईरान के बीच हमलों का एक नया दौर शुरू हुआ। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने बुधवार को कहा कि उसने ईरान के अंदर कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका से जुड़ी सुविधाओं पर हमले किए। ईरानी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका के हालिया हमलों में 18 लोगों की मौत हुई और 142 अन्य घायल हो गए। WSJ के अनुसार, ट्रंप ने अपने वरिष्ठ



सहयोगियों से इस बारे में बात की है कि "क्या ईरान युद्ध के खत्म होने की घोषणा की जाए।" व निजी तौर पर इस कदम का समर्थन करते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि मध्यावधि चुनाव नजदीक हैं और युद्ध के कारण ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं। राष्ट्रपति का मानना है कि भारी

आर्थिक दबाव के कारण ईरान समय के साथ अपने परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर देगा। यह घटनाक्रम पिछले हफ्ते अमेरिका द्वारा ‘ऑपरेशन इकोनॉमिक वयोंकि मध्यावधि चुनाव नजदीक हैं और युद्ध के कारण ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं। राष्ट्रपति का मानना है कि भारी

मेमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम में बोले पीएम अल्पसंख्यक नहीं, हम सब बांग्लादेशी हैं

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने देश के हिंदू समुदाय के लोगों को जन्माष्टमी की बधाई दी और कहा कि यह देश सभी नागरिकों का है और सभी को समान अधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने लोगों से धार्मिक सद्भाव, सहनशीलता, आपसी सम्मान और खेल के बंधन को मजबूत करने का आग्रह किया। जन्माष्टमी 2026 शुक्रवार, 4 सितंबर को मनाई जाएगी। राजधानी के उस्मानी मेमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम में, जिसमें हिंदू समुदाय के प्रमुख सदस्य मौजूद थे, रहमान ने कहा कि आज की वैश्विक दुनिया में ‘अल्पसंख्यक’ या ‘बहुसंख्यक’ जैसी पहचान मुख्य मुद्दे नहीं हैं और सभी नागरिकों को खुद को बांग्लादेशी मानना ??चाहिए।



उन्होंने समावेशिता और एकता की भावना पर जोर दिया। इस अवसर पर पुजारियों और देखभाल करने वालों को सम्मान-राशि भी वितरित की गई। एक महत्वपूर्ण बात कहते हुए उन्होंने कहा, फ़धर्म व्यक्तिगत है, लेकिन

सुरक्षा का अधिकार सभी का है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश और समाज में अलग-अलग धर्मों और सोच वाले लोग रहते हैं। यही विविधता समाज की असली खूबसूरती है। आज के कार्यक्रम में, जिन्हें ‘अल्पसंख्यक’ या ‘बहुसंख्यक’ माना जाता है—वे सभी यूरोप या अमेरिका जाने पर ‘अल्पसंख्यक’ ही कहलाते हैं। इसलिए, आज की ग्लोबल दुनिया में ‘अल्पसंख्यक’ या ‘बहुसंख्यक’ जैसी पहचान कोई मुख्य मुद्दा नहीं है। इसके बजाय, आइए हम सब खुद को बांग्लादेशी मानें। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में लोग सदियों से शांति से मिल-जुलकर रह रहे हैं। उन्होंने कहा, फ़सदियों से, बांग्लादेश में सभी धर्मों, मान्यताओं और पृष्ठभूमि के लोग आपसी सम्मान, सद्भाव और भाईचारे के साथ अपने-अपने धर्म और संस्कृति का पालन करते हुए शांति से मिल-जुलकर रह रहे हैं।

GDP पर आर-पार: पीएम मोदी ने की तारीफ तो कांग्रेस ने कसा तंज

मुंबई। शिवसेना की प्रवक्ता शायना एनसी ने 7.8 फ़ीसदी जीडीपी ग्रोथ को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार किया। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी की बैठक के लिए राहुल गांधी के नासिक दौरे को लेकर प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि को लेकर एक्स पर पोस्ट में कहा था कि "लाइट्स, कैमरा और निष्क्रियता. जब अर्थव्यवस्था की बात आती है तो पीएम मोदी के प्रचार की यही कहानी है." खरगे के इस बयान पर शिवसेना की प्रवक्ता शायना एनसी ने आईएनएस से कहा, "खरगे सिर्फएक तरह की जीडीपी समझते हैं और वह है 'गांधी परिवार डेवलपमेंट प्रोग्राम.' जब वह पीआर फैक्ट्री की बात करते हैं, तो उन्हें पता होना चाहिए कि 7.8 फीसदी की ग्रोथ रेट फैक्ट्री में नहीं बल्कि खेतों और दुकानों में हासिल होती है, न कि कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में. कांग्रेस के शासनकाल में 4 फ 'सदी की ग्रोथ रेट को चमत्कार माना जाता था लेकिन आज वे 7.8 फी'सदी की ग्रोथ रेट को 'पीआर' कहते हैं. यह पीआर नहीं, पेट में दर्द है. जब अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ और



यूक्रेन/ईरान में चल रहे युद्ध के बावजूद हम 7.8 फ 'सदी की ग्रोथ रेट पर हैं, इसे पीआर नहीं बल्कि पीएम मोदी का परफार्मेंस कहा जाना चाहिए." उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न को प्रीज करने की मांग पर शायना एनसी ने कहा, "धनुष-बाण का निशान खरीदा नहीं गया था, यह 2022 में संघर्ष से हासिल हुआ था, जब लोग एकजुट हुए थे. 'पीआर' कहते हैं. यह पीआर नहीं, पेट में दर्द है. बालासाहेब कहा करते थे कि जिसके पास सैनिक होते हैं, सेना उसी की होती है. आज जब 60

विधायक और 13 सांसद हैं और स्थानीय निकायों में एकनाथ शिंदे की तारीफहो रही है, तो यह सेना किसकी है? सच तो यह है कि धनुष-बाण सिर्फ एक निशान नहीं है बल्कि यह एक विचारधारा है, एक भरसा है जो 60 सालों में बना है. एक ऑटो-रिवशा ड्राइवर हो या वड़ा-पाव बेचने वाला, वे सभी जानते हैं कि धनुष-बाण का मतलब एकनाथ शिंदे का समर्थन है। नासिक में कांग्रेस की बैठक पर शायना एनसी ने कहा, "राहुल गांधी, महाराष्ट्र में आपका स्वागत है. आप नासिक आए हैं, सुला वाइनगार्ड्स जाइए, कुंभ मेला देखिए लेकिन झूठ मत फैलाइए. नासिक के छात्र समझदार हैं, वे 'क्वाट्सएप यूनिवर्सिटी' से शिक्षा नहीं लेते. अपने काम के सिलसिले में महाराष्ट्र में आपका जरूर स्वागत है लेकिन जब भी आप आएंगे, तो इस बारे में भी बताएं कि आपके क्या विचार हैं जब भारत 7.8 फीसदी जीडीपी ग्रोथ हासिल कर रहा है, 10 करोड़ नौकरियां पैदा कर रहा है और चंद्रयान तक पहुंच रहा है.

राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय खबरें

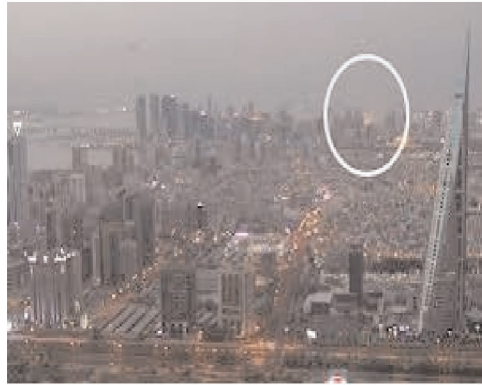
यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा के साथ मौजूद जयशंकर ने कहा अगर भारत किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो हम तैयार हैं

केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि भारत यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में मदद करने के लिए तैयार है। गुरुवार को कीव के दौरे के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा के साथ मौजूद जयशंकर ने कहा अगर भारत किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो हम तैयार हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दोनों मंत्रियों के बीच ब्लैक सी में कमर्शियल शिपिंग पर हो रहे हमलों पर भी चर्चा हुई। विदेश मंत्री जयशंकर अभी यूक्रेन के दौरे पर हैं।



इस दौरान, विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्री सिबिहा और पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। आधिकारिक बयान में कहा गया, इस दौरे का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और क्षेत्रीय घटनाक्रम व आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका देना है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब ब्लैक सी में रूस और यूक्रेन के बीच हालिया तनाव में भारतीय नाविक मारे गए और घायल हुए हैं।

कुवैत, बहरीन और जॉर्डन तक पहुंची युद्ध की आंच... आमने-सामने यूएस-ईरान



शायी समारोह में ईरान भड़क उठा है। ईरान और अमेरिका के बीच में जो पिछले कुछ दिनों से शांत थी एक जंग जो लग रहा था केवल जुबानी जंग है लेकिन ये फिर से दोनों देश आर्मस् के ऊपर लौट आए हैं। मतलब गोला बारूद फिर से बरसने लगे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि ये युद्ध ना तब

पहले बंद हुआ था जब बीच में कहा जा रहा था कि इसमें इस्लामाबाद पैक्ट हो गया। इस्लामाबाद टॉक सफ़्त हो गया। ये सब फ़रेब था। पिछले दिनों सीआईए के चीफ़ रूस पहुंचे थे। सीआईए के सीआईए को एक बहुत पुरख़ा इनपुट मिला था कि पुतिन एक बड़ा हमला न्यूलियर अटैक जैसा यूक्रेन या नाटो कट्टीज पर कर सकते हैं। सीआईए के चीफ़ भागे-भागे वहां पर मुलाकात होती है। दरअसल मामला यह था कि रशिया यूक्रेन के बीच में पिछले तीन महीनों से जंग बहुत तेज चल रही है। यूक्रेन ने कई बड़े हमले किए।

प्राकृतिक आरोग्य रस



हमारे यहां ज़वादा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (वुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज़, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

स्थान- 1. नेहरू नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141 2. सेक्टर-1 अंबेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

जानें भारतीय इतिहास की प्रमुख घटनाएं, दिल्ली है हर सल्तनत की गवाह

भारत में प्राचीन काल से ही कई बड़े बदलाव व मूमेंट के प्रमाण मिलते हैं। जिसके कारण यहां पर कई सभ्यताओं ने जन्म लिया और समय के साथ उनका पतन हुआ। सभ्यता के साथ यहां पर कई धर्मों का भी उदय हुआ। हिंदू धर्म के साथ ही यहां बौद्ध धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म और पारसी धर्म विकसित हुए। जब भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, तब यहां पर कई यूरोपीय देश व्यापार के लिए आते थे, उनमें से ही एक थे ब्रिटिश, जो आए व्यापार करने, लेकिन इस देश पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों के साथ लंबी लड़ाई के बाद देश को अंततः स्वतंत्रता मिली। हम्पी के खंडहर-हम्पी मध्यकालीन हिंदू राज्य विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित यह नगर अब हम्पी नाम से जाना जाता है। यहां अब केवल खंडहरों के रूप में ही अवशेष हैं, जो इसके भव्यता के प्रतीक हैं। इन्हें देखने से प्रतीत होता है कि किसी समय में यहां एक समृद्धशाली सभ्यता निवास करती होगी। भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित यह नगर यूनेस्को के विश्व के विरासत स्थलों में शामिल किया गया है। हम्पी का विशाल फैलाव गोल चबूतनों के टीलों में विस्तृत है। घाटियों और टीलों के बीच पांच सौ से भी अधिक स्मारक चिह्न हैं।

दिल्ली है हर सल्तनत का गवाह-दिल्ली इतिहास में हर सल्तनत की गवाह रही है। यहां पर तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्यों से लेकर मध्ययुगीन काल की सल्तनत, मुगल और अंग्रेजों को विजेता के रूप में देखा है। यहां पर राज करने वाले सभी ने अपने प्रभावशाली अवशेष छोड़े हैं जो आज भी इस आधुनिक शहरी फैलाव के बीच मजबूती से खड़े हैं। इनमें लाल किला और हुमायूं का मकबरा दिल्ली में मुगल वास्तुकला के बेहतरीन उदाहरणों में से हैं। राजाओं की राजधानी कोलकाता-एक छोटे से पूर्वी-तटीय व्यापारिक समझौते के कारण अपनी शुरुआत से ही कोलकाता (पूर्व में कलकत्ता) व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा। जिसके कारण एक समय में यह शहर महलों का शहर बन गया। इसके इतिहास की शुरुआत सन् 1686 में तब शुरू हुआ, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने नए मुख्यालय के लिए कोलकाता का चयन किया था। यहां मौजूद सफेद संगमरमर का विक्टोरिया मेमोरियल भारत में किसी भी अन्य



दिल्ली का दूसरा शहर बसाया है। 1451 ई.- अफगान आक्राणकों की बहलोल लोदी दिल्ली के सिंहासन पर कब्जा करता है और लोधी वंश की स्थापना करता है। 14वीं-16वीं ई.- इस्लाम धर्म पूरे उत्तर भारत में स्थापित होता है। दक्षिण हिंदू विजयनगर राजवंश के तहत स्वतंत्र रहते हैं। 1498 ई.- वास्को डी गामा भारत पहुंचे। 1526 ई.- बाबर ने दिल्ली सल्तनत को उखाड़ फेंका और मुगल साम्राज्य की स्थापना की। 1642 ई.- ईस्ट इंडिया कंपनी ने मद्रास (चेन्नई) में ट्रेडिंग स्टेशन खोला। 1756 ई.- बंगाल के नवाब ने कलकत्ता पर हमला किया और रॉबर्ट क्लाइव के प्रतिशोध ने भारत में ब्रिटिश साम्राज्य को मजबूत किया। 1858-1947 ई.- इस दौरान ब्रिटिश राज कायम रहा। 1857 ई.- ब्रिटिश राज के खिलाफभारत में पहली क्रांति। 1885 ई.- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली बैठक।

इमारत की तुलना में आज भी बेहतर है। यह इमारत ब्रिटिश राज के अपने गौरव और भव्यता का प्रतीक है। भारत के इतिहास की एक झलक आरंभिक इतिहास- 2600-1900 ई.पू. के बीच हड़प्पा (सिंधु घाटी) सभ्यता। 1600 ई.पू. से आगे- मध्य एशियाई आर्य भारतीय उपमहाद्वीप में बसते हैं। 563 ई.पू.- सिद्धार्थ गौतम (बुद्ध) का जन्म। 325 ई.पू.- चंद्रगुप्त मौर्य ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की। 260 ई.पू.- सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म अपना लिया। 320 ई.- गुप्त साम्राज्य की स्थापना हुई। 1200 ई.- मुस्लिम सेनाएं उत्तरी भारत पर विजय प्राप्त कर बौद्ध धर्म का पतन करती हैं। 1206 ई.- कुतुब-उद-दीन खिलजी का सुल्तान बना। उनके वंश को 1296 ई. में एक तुर्क फ़िरोज़ शाह ने उखाड़ फेंका और लाल कोट के पूर्व में दिल्ली का दूसरा शहर बसाया है। 1451 ई.- अफगान आक्राणकों की बहलोल लोदी दिल्ली के सिंहासन पर कब्जा करता है और लोधी वंश की स्थापना करता है। 14वीं-16वीं ई.- इस्लाम धर्म पूरे उत्तर भारत में स्थापित होता है। दक्षिण हिंदू विजयनगर राजवंश के तहत स्वतंत्र रहते हैं। 1498 ई.- वास्को डी गामा भारत पहुंचे। 1526 ई.- बाबर ने दिल्ली सल्तनत को उखाड़ फेंका और मुगल साम्राज्य की स्थापना की। 1642 ई.- ईस्ट इंडिया कंपनी ने मद्रास (चेन्नई) में ट्रेडिंग स्टेशन खोला। 1756 ई.- बंगाल के नवाब ने कलकत्ता पर हमला किया और रॉबर्ट क्लाइव के प्रतिशोध ने भारत में ब्रिटिश साम्राज्य को मजबूत किया। 1858-1947 ई.- इस दौरान ब्रिटिश राज कायम रहा। 1857 ई.- ब्रिटिश राज के खिलाफभारत में पहली क्रांति। 1885 ई.- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली बैठक।

पहाड़ों में मैगी बेचने वाले की एक दिन की कमाई कितनी हो सकती है ?

सोशल मीडिया पर एक कंटेंट क्रिएटर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें वो पहाड़ों पर एक स्टॉल लगाकर यहां एक्सपेरिमेंट किया कि एक दिन में मैगी बेचकर कितनी कमाई हो सकती है. लेकिन उसकी कमाई सुनकर नौकरी करने वाले के कान खड़े हो गए.



yeah badal नाम से इंस्टाग्राम पेज चलाने वाले Badal Thakur का पहाड़ों पर मैगी बनाना वीडियो बेहद खास है. जब बादल ने मैगी बनाना शुरू किया, तो कड़ाके की सर्दी के बीच पहाड़ों पर मैगी खाने वालों की लाइन लग गई. कंटेंट क्रिएटर ने 70 रुपये में लोगों को मैगी बनाकर खिलाई. देखते-देखते 300 मैगी उसने बेच डाली.

पहाड़ों पर मैगी बेचकर एक दिन में हुई 21 हजार की कमाई वीडियो के आखिर में बादल ने अपनी कमाई का खुलासा किया. उसने बताया, 70 रुपये के हिसाब 300 मैगी बेचकर उसने दिनभर में 21000 रुपये की कमाई कर ली.

सोशल मीडिया पर आ रहे मजेदार कमेंट्स

सोशल मीडिया पर जब लोगों ने वीडियो को देखा तो हैरान रह गए. the-ishikadidiwania नाम के यूजर ने लिखा, अब तो शायद पहाड़ पर शिफ्ट होकर मैगी स्टॉल खोलने का टाइम आ गया है. एक ने पूछ लिया, क्या इंडीशिप मिल जाएगी??.

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 55 RNI/CHHBIL/44259 छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4050844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9186157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com

16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)

154-156, Akash Ganga, Supela, Bhillai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

10 साल के कमलेश को मिला कृत्रिम पैर, अब मजिल की ओर बढ़ेंगे कदम

चिरायु कार्यक्रम की पहल से बदलेगी जिंदगी की राह, अब स्कूल जाने और आगे बढ़ने का बढ़ेगा आत्मविश्वास

रायपुर। उम्र महज 10 साल, मन में बड़े सपने और आगे बढ़ने का जन्मा... लेकिन जीवन की राह में एक कमी हर कदम पर उसका साथ रोकती थी। बीजापुर जिले के ग्राम पीडिया निवासी 10 वर्षीय कमलेश ओयम, पिता श्री सुखू, के लिए अब यह कहानी बदलने वाली है। चिरायु कार्यक्रम के माध्यम से कमलेश को दाएं पैर का कृत्रिम अंग उपलब्ध कराया गया है। जिला अस्पताल, दंतवाड़ा में कृत्रिम पैर का सफल प्रत्यारोपण होने के बाद कमलेश के जीवन में नई उम्मीद जगी है।



कमलेश वर्तमान में सक्षम आवासीय विद्यालय, आवरगा, जिला दंतवाड़ा में अध्ययनरत है। पढ़ाई और स्कूल की गतिविधियों में आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले कमलेश के लिए चलना-फिरना हमेशा आसान नहीं रहा। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान उसकी आवश्यकता की पहचान की गई। इसके बाद चिरायु कार्यक्रम के तहत आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उसे कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने की पहल की गई। कृत्रिम पैर मिलने के बाद कमलेश के लिए रोजमर्रा की गतिविधियों के साथ-साथ विद्यालयीन जीवन में भी आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे।

जनता को GDP समझ नहीं आता: जैन संवेदना ट्रस्ट

रायपुर। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर जैन संवेदना ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम कम करने की मांग की है। ट्रस्ट के महेंद्र कोचर और विजय चौपड़ा ने कहा कि जनता को जीडीपी और थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़े समझ नहीं आते, उसे तो शक्कर, तेल, दाल, चावल, सब्जी, गैस और पेट्रोल-डीजल जैसी जरूरी वस्तुओं के दाम कम चाहिए।

ट्रस्ट पदाधिकारियों ने कहा कि दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि महंगाई की स्थिति ऐसी है कि आम आदमी के लिए चाय-समोसा तक से पेट भरना मुश्किल होता जा रहा है। शक्कर, खाद्य तेल, गैस, टमाटर, मिर्च, अदरक, धनिया समेत कई जरूरी वस्तुओं के बढ़ते दामों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

विद्यार्थियों का कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हो विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च प्राथमिकता - राज्यपाल श्री डेका

निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में नैक ग्रेडिंग, पीएचडी की गुणवत्ता, पाठ्यक्रमों और सामाजिक दायित्वों की समीक्षा

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि विद्यार्थियों का कल्याण विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विश्वविद्यालय शिक्षा के पवित्र मंदिर हैं, इसलिए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

राज्यपाल रमेन डेका ने आज निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों में शिक्षा एवं शोध की गुणवत्ता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को नैक (NAAC) में बेहतर ग्रेडिंग प्राप्त करने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और शिक्षकों का अनुपात संतुलित होना चाहिए तथा विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। प्रत्येक विश्वविद्यालय में कम से कम 1000 विद्यार्थियों के शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने को कहा।

‘विश्वविद्यालय शोधार्थियों को प्रोत्साहित करना चाहिए’

श्री डेका ने कहा कि पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने की प्रक्रिया पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी होनी चाहिए। पीएच.डी. के लिए होने वाले पंजीयनों की विशेषज्ञों के माध्यम से रैंडम चेकिंग कराई जाएगी, ताकि शोध कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल उपाधि प्रदान करने तक सीमित न रहकर ऐसे शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिसका समाज और देश के विकास में वास्तविक योगदान हो।

‘रोजगार एवं भविष्य की संभावनाओं वाले विषयों को



प्राथमिकता दें’-राज्यपाल ने कहा कि कोई भी नया पाठ्यक्रम प्रारंभ करने से पहले विश्वविद्यालय संबंधित क्षेत्र में सर्वेक्षण कर आवश्यकता और विद्यार्थियों की रुचि का आकलन करें। जिन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या नहीं है, उन्हें बंद करने पर विचार किया जाए। अनावश्यक रूप से पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाने के बजाय रोजगार एवं भविष्य की संभावनाओं वाले विषयों को प्राथमिकता

दी जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप इंटीग्रेटेड कोर्स को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल-श्री डेका ने एनवायरनमेंटल साइंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे

उभरते क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम शुरू करने की संभावनाओं पर भी विचार करने को कहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप इंटीग्रेटेड कोर्स को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी उन्होंने जोर दिया।

विश्वविद्यालय गोद लिए गए गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका हो-श्री डेका ने सभी निजी विश्वविद्यालयों को अपने आसपास के गांवों को गोद लेकर वहां शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नियमित कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। विश्वविद्यालयों को अपने सामाजिक दायित्वों को प्रभावी ढंग से निभाना चाहिए। गोद लिए गए गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के साथ ब्रेस्ट कैंसर सर्वे जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी विश्वविद्यालय सक्रिय भूमिका निभाए।

‘स्वास्थ्य के लिए योग और ध्यान महत्वपूर्ण’-राज्यपाल ने विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग और ध्यान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को प्रत्येक विद्यार्थी तक योग पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। विद्यार्थियों को योग के लिए इस प्रकार प्रेरित किया जाए कि वह उनकी दैनिक जीवनशैली और आदत का हिस्सा बन जाए।

सिटी कोतवाली के बंदी गृह में होगा श्रीकृष्ण जन्म का जीवंत मंचन

हथकड़ी में होंगे देवकी-वासुदेव और गरजेगा कंस रायपुर। जन्माष्टमी के अवसर पर रायपुर के थाना सिटी कोतवाली में इस बार भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा का अनोखा और जीवंत मंचन देखने को मिलेगा। कृष्ण मित्र फंडेशन के पदाधिकारियों, सदस्यों और थाना सिटी कोतवाली स्टाफ के सहयोग से मथुरा के कारागार के दृश्य को नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से साकार किया जाएगा।

4 सितंबर की मध्यरात्रि 12 बजे होगा मंचन

आयोजन के तहत थाना सिटी कोतवाली के बंदी गृह को मथुरा के कारागार के रूप में सजाया गया है। मध्यरात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। नाट्य प्रस्तुति में माता देवकी और वासुदेव को हथकड़ियों से बांधा जाएगा, जबकि कंस की



गर्जना से कारागार का माहौल जीवंत किया जाएगा।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद कारागार के दरवाजे स्वतः खुलने और पहरेदारों के बेसुध होने का दृश्य भी मंचित किया जाएगा। इसके बाद वासुदेव भगवान श्रीकृष्ण को टोकरी में छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग के स्थित गोपाल मंदिर की ओर जाएंगे, जहां श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन कराए जाएंगे।

11वें वर्ष में भी जारी है आयोजन

कृष्ण मित्र फंडेशन के अध्यक्ष माधव लाल यादव ने बताया कि यह आयोजन लगातार 11वें वर्ष किया जा रहा है। इस वर्ष भी थाना सिटी कोतवाली के कारागार को भव्य रूप से सजाया गया है। जन्माष्टमी पर्व धार्मिक परंपराओं और विधि-विधान के साथ मनाया जाएगा।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए और अधिक प्रयास जरूरी -राज्यपाल रमेन डेका

-वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ का नाम गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज

-राज्यपाल ने टीम के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ में अभी और बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री सहज रूप से उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। तकनीक के माध्यम से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों तक शिक्षा पहुंचाने का वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ का प्रयास सराहनीय और अनुकरणीय है।

वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम को उल्लेखनीय योगदान के लिए किया सम्मानित

राज्यपाल श्री डेका से आज लोक भवन में वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ के सदस्यों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने टीम के सभी सदस्यों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। टीम की उपलब्धि को गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किए जाने पर उन्होंने सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

शारदा ने 1,800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कर चुकी

वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम द्वारा दृष्टिबाधित एवं सामान्य विद्यार्थियों के लिए 11 हजार से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस अभिनव अभियान की शुरुआत 5 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षा सुश्री के. शारदा के नेतृत्व में हुई। सुश्री शारदा स्वयं अब तक 1,800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कर चुकी हैं। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के 30 शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने नियमित शैक्षणिक दायित्वों के साथ इस कार्य में योगदान दे रहे हैं।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने समान अवसर

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ऑडियो के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा के समान अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों को और व्यापक बनाने की जरूरत है, ताकि अधिक से अधिक

दृष्टिबाधित विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें।

वर्ल्ड ऑडियो बुक चैनल को 8 लाख से अधिक बार देखा गया

वर्ल्ड ऑडियो बुक चैनल पर 107 से अधिक प्लेविस्ट उपलब्ध हैं और इसे अब तक 8 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। टीम द्वारा विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम आधारित एवं उपयोगी अध्ययन सामग्री तैयार की जा रही है। इस अवसर पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की छत्तीसगढ़ हेड डॉ. सोनल राजेश शर्मा सहित वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के प्रोत्साहन से रायगढ़ की बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ावा छत्तीसगढ़ का मान

सोनम, शांति और मानसी ने भारतीय महिला लैकॉस टीम के साथ मलेशिया में जीता कांस्य पदक

रायगढ़ की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने जिला प्रशासन भी लगातार उपलब्ध करा रहा आवश्यक सहयोग

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिले के रायगढ़ की बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर देश और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय लैकॉस टूर्नामेंट में भारतीय महिला लैकॉस टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर को पराजित कर कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय टीम की इस उपलब्धि में रायगढ़ जिले के महलौड़ क्षेत्र की तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों सोनम बंजारा, शांति प्रधान और मानसी भूमिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी के प्रोत्साहन और रायगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर पदक जीतकर रायगढ़ लौटने के बाद तीनों खिलाड़ी अपने कोच श्री देवावतार चौधरी के साथ कलेक्टरट पहुंची और कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी से मुलाकात की। कलेक्टर ने खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि रायगढ़ की बेटियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर पदक जीतना पूरे जिले और प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी हरसंभव सहयोग और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

कोच श्री देवावतार चौधरी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में



भारतीय महिला टीम ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और जुझारू प्रदर्शन का परिचय दिया। सिंगापुर के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार जीत दर्ज करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी और जिला प्रशासन से लगातार सहयोग एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है।

रायगढ़ की तीनों खिलाड़ियों की यह उपलब्धि जिले की अन्य खेल प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणादायी है। सोनम बंजारा, शांति प्रधान और मानसी भूमिया ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर यह साबित किया है कि उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और अवसर मिलने पर छत्तीसगढ़ की बेटियां वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकती हैं। खिलाड़ियों एवं कोच ने इस उपलब्धि के लिए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant, Separate Family A.C. Room

FREE
Home Delivers
Within 3 K.M.
0788-4011912

VEG & NON-VEG
•Marriage & Birthday Party
•Party Catering •Party Lawn
•Door to Door Catering

New Opening at
Chopati Civic Centre Bhillai

Near Chandulal Chandrakar Hospital,
Nehru Nagar Chowk, Bhillai (C.G.)
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912

21 सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 76.93 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के जल संसाधन विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 21 सिंचाई योजनाओं के लिए 76 करोड़ 93 लाख 85 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि का उपयोग जलाशयों के जीर्णोद्धार, नहरों की सीसी लाइनिंग, एनीकट निर्माण और बाढ़ नियंत्रण कार्यों में किया जाएगा।

जिलावार स्वीकृत प्रमुख कार्य और आवंटन-कांकेर जिला के कोयलीबेड़ा ब्लॉक के लघु जलाशय पी.व्ही. 114 के जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग 2.72 करोड़ रुपए से 28.4 हेक्टेयर, पी.व्ही. 36 जलाशय 4.96 करोड़ रुपए से 400.2 हेक्टेयर और पानीडोबरी एनीकट-कम-काजवे 3.41 करोड़ रुपए से 60

हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा मिलेगी। चारामा के गोलकुम्हड़ा जलाशय 4.50 करोड़ रुपए से 110 हेक्टेयर और कांकेर ब्लॉक के मरकाटोला व्यवर्तन की कन्हापुरी शाखा नहर लाइनिंग 4.99 करोड़ रुपए से 300 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा। कोडगांव जिला के फरसागांव ब्लॉक के बड़ेडोंगर जलाशय 3.35 करोड़ रुपए से 50 हेक्टेयर और लंजोड़ा उद्हन योजना 3.88 करोड़ रुपए से 295 हेक्टेयर में सिंचाई होगी। माकडी ब्लॉक के श्यामपुर व्यवर्तन 3.45 करोड़ रुपए से 201 हेक्टेयर, घोडागांव एनीकट मरम्मत व गेट निर्माण 4.28 करोड़ रुपए से 100 हेक्टेयर और कोडगांव ब्लॉक के सोनाबाल जलाशय को लाभ मिलेगा।

युवक पर चाकू से हमला कर फ़ार आरोपी अजय रक्सल कांकेर से गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में फ़ार चल रहे आरोपी को पुलिस ने कांकेर से गिरफ्तार कर लिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और सिविल लाइन थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी अजय रक्सल को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बटनदार चाकू और पीड़ित का दोपहिया वाहन भी बरामद किया है। मामले में शामिल अन्य आरोपी अभी फ़ार में हैं। गाड़ी में बैठाकर ले गया, फिर साथियों के साथ किया हमला

पुलिस के मुताबिक, शुभम श्रीवास्तव ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 26 अगस्त 2026 की रात अजय रक्सल उसे अपनी गाड़ी में बैठाकर दाउजी बिल्डिंग के पास स्थित एक गली में ले गया था। वहां उसने अपने साथी हर्ष कोसले और एक अन्य व्यक्ति को बुलाया।



शिकायत के अनुसार, आपसी रंजिश को लेकर बातचीत के दौरान अजय रक्सल ने शुभम से विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के बाद तीनों ने शुभम के साथ मारपीट की। इसी दौरान हत्या की नीयत से उस पर चाकू से हमला किया गया।

चाकू के हमले में शुभम के दोनों पैरों सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौक़े से फ़ार हो गए।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला पीड़ित की शिकायत पर सिविल लाइन थाने में

अपराध क्रमांक 454/2026 दर्ज किया गया। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351(3), 109(1), 3(5), 309(4) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

कांकेर में छिपा था मुख्य आरोपी मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और सिविल लाइन पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने पीड़ित से पूछताछ कर आरोपियों के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई और लगातार दबिश दी। मुखबिरों को सक्रिय करने के साथ तकनीकी विशेषज्ञ के जरिए भी आरोपियों की तलाश की गई।

इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मुख्य आरोपी अजय रक्सल कांकेर जिले में छिपा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल कांकेर रवाना हुई और लगातार पतासाजी के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।